राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापुर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, शुक्रवार, 03 जुलाई 2026
वर्ष 14, अंक 85, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

सहकारिता क्षेत्र में उत्तर प्रदेश बना देश के लिए मॉडल...03

जमशेदपुर में करणी सेना नेता की हत्या के बाद पुलिस अलर्ट...04

जल्द होगा नितिन नवीन की 'नई टीम' का ऐलान! हुई बड़ी बैठक

● केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर बड़ी बैठक हुई. सूत्रों का कहना है कि मीटिंग में बीजेपी के नए राष्ट्रीय पदाधिकारियों की टीम के गठन पर अहम चर्चा हुई. ढाई घंटे से ज्यादा चली इस मीटिंग में बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन की आगामी टीम के नामों और संगठन में नेताओं की जिम्मेदारियों पर विचार-विमर्श किया गया।

अमित शाह के आवास पर हुई बड़ी बैठक

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर गुरुवार को बीजेपी की बड़ी बैठक हुई. ये बैठक ढाई घंटे से ज्यादा समय तक चली. सूत्रों का कहना है कि इस मीटिंग में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों के नामों पर चर्चा हुई. कहा जा रहा है कि इसके बाद बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन की टीम का जल्द ऐलान भी किया जाएगा. इसे लेकर ये भी चर्चा हुई कि संगठन में किस नेता को क्या जिम्मेदारी दी जाए। सूत्रों का कहना है कि अमित शाह के आवास पर हुई मैराथन बैठक में बीजेपी महासचिव (संगठन) बीएल संतोष भी मौजूद रहे. हालांकि इस मुलाकात को लेकर आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है. मगर, मीटिंग में कई मुद्दों पर चर्चा हुई, जिनमें बीजेपी के नए राष्ट्रीय पदाधिकारियों की टीम के गठन का मुद्दा भी शामिल था. जनवरी में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने नितिन नवीन के नेतृत्व वाली नई टीम में वरिष्ठ और युवा नेताओं को जगह मिलने की संभावना है।

जल्द होगा नितिन नवीन की नई टीम का ऐलान

कहा ये भी जा रहा है कि सरकार में पद संभाल रहे कुछ नेताओं को भी संगठन में शामिल किया जा सकता है. उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी जा सकती हैं. सूत्रों का कहना है कि भारतीय जनता पार्टी की नई केंद्रीय टीम में शामिल किए जाने वाले नेताओं के नामों का ऐलान जल्द ही होगा।

बीजेपी में चल रहा बैठकों का दौर

बता दें अमित शाह के आवास पर हुई बैठक से पहले केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर भी बैठक हो चुकी है. बीजेपी की इस हाई लेवल बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन और जेपी नड्डा के साथ ही अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए थे. राजनाथ के आवास पर ये बैठक ऐसे वक्त में हुई है जब पार्टी नेतृत्व में फेरबदल की चर्चा तेज है।

अमित शाह से मिले थापा

इन बैठकों से इतर बुधवार को बीजेपी सिक्किम के अध्यक्ष डीआर थापा ने दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात की थी. उन्होंने सीमा सुरक्षा, आपदा राहत एवं औद्योगिक प्रोत्साहन सहित कई मुद्दों पर बात की. इस दौरान थापा ने लिंबु-तमांग विधानसभा सीट के आरक्षण और सिक्किम के विकास से जुड़े मुद्दों को भी गृह मंत्री के सामने उठाया था. थापा ने पार्टी के प्रदेश महासचिव अर्जुन राय के साथ केंद्रीय गृह मंत्री से मुलाकात की थी।

बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की 3 सीटों पर उपचुनाव का ऐलान

● भारत निर्वाचन आयोग ने बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात में विधानसभा की तीन सीटों के लिए उपचुनाव की घोषणा की है. चुनाव आयोग के जारी किए गए आधिकारिक शेड्यूल के अनुसार, इस उपचुनाव की प्रक्रिया 6 जुलाई को नोटिफिकेशन जारी होने के साथ शुरू होगी।

3 सीटों पर उपचुनाव का ऐलान

भारत निर्वाचन आयोग ने बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात में विधानसभा की तीन सीटों के लिए उपचुनाव की घोषणा की है. आयोग के अनुसार, इन तीन सीटों के लिए वोटिंग 30 जुलाई को होगी, जबकि वोटों की गिनती 3 अगस्त को की जाएगी. चुनाव आयोग ने बताया कि ये उपचुनाव बिहार की बांकीपुर सीट, मध्य प्रदेश की दतिया सीट और गुजरात की मंजलपुर सीट के लिए कराए जाएंगे. इसे लेकर तैयारी शुरू कर कर दी गई है। चुनाव आयोग के जारी किए गए आधिकारिक शेड्यूल के अनुसार, इस उपचुनाव की प्रक्रिया 6 जुलाई को नोटिफिकेशन जारी होने के साथ शुरू होगी. चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवार 13 जुलाई तक अपना नामांकन दाखिल कर सकेंगे. अगले दिन, यानी 14 जुलाई को, सभी नामांकन पत्रों की बारीकी से जांच की जाएगी. जो उम्मीदवार अपनी उम्मीदवारी वापस लेना चाहते हैं, वे 16 जुलाई तक ऐसा कर सकते हैं. इसके बाद, 30 जुलाई की सुबह वोटिंग प्रक्रिया शुरू होगी, जिससे जनता अपने प्रतिनिधि चुन सकेगी. अंत में, 3 अगस्त को चुनाव के नतीजे घोषित किए जाएंगे।

क्यों हो रहे उपचुनाव?

बीजेपी के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के इस्तीफे के बाद बिहार में बांकीपुर विधानसभा सीट खाली हो गई थी. मध्य प्रदेश में कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती के अयोग्य घोषित होने के बाद दतिया विधानसभा सीट खाली हो गई. वहीं, गुजरात में वरिष्ठ बीजेपी विधायक योगेशभाई नारायणभाई पटेल के निधन के कारण मंजलपुर विधानसभा सीट खाली हो गई. जिसके बाद चुनाव आयोग ने 'जन प्रतिनिधित्व अधिनियम' (Representation of the People Act) के नियमों के अनुसार इन खाली सीटों को भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी।

चुनाव आयोग नियमों को लेकर सख्त

चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही संबंधित जिलों में 'आदर्श आचार संहिता' (Model Code of Conduct) तुरंत लागू हो गई है. इन दिशानिर्देशों के तहत, सरकार और राजनीतिक पार्टियों पर नई घोषणाएं करने या मतदाताओं को प्रभावित करने वाली गतिविधियां करने पर रोक है. इसके अलावा, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने के लिए, चुनाव आयोग ने सभी पोलिंग बूथों पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (EVMs) के साथ-साथ VVPAT मशीनों का इस्तेमाल अनिवार्य कर दिया है, ताकि मतदाता अपने वोट की पुष्टि कर सकें।

संक्षिप्त ख़बरें

प्रीमियम सिगरेट का नकली माल पकड़ा गया, दो गिरफ्तार

कानपुर। कमिश्नरेट कानपुर नगर की स्वाट टीम ने नोएडा और दिल्ली से प्राप्त शिकायत के आधार पर कॉपीराइट उल्लंघन कर बेची जा रही नकली प्रीमियम सिगरेट के कारोबार का भंडाफोड़ करते हुए लगभग 8 लाख मूल्य की सिगरेट बरामद की तथा दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। दोनों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है।

श्री जगन्नाथ रथयात्रा के विषय में चर्चा

कानपुर। विधायक सलिल विश्नोई ने नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय एवं पुलिस उपायुक्त (पूर्वी) सत्यजीत गुप्ता से भेंट करके आगामी श्री जगन्नाथ रथयात्रा के मार्ग की व्यवस्थाओं, सुरक्षा, स्वच्छता, यातायात इत्यादि के बारे में विस्तार से विचार- विमर्श किया। कल दिनांक 2 जुलाई को सलिल विश्नोई नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय के साथ रथयात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण करेंगे।

आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना के पास जंगल में लगी आग

लालगंज (रायबरेली)। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना के पास खैरहनी गांव के निकट बुधवार को जंगल में अज्ञात कारणों से आग लग गई। देखते ही देखते आग सूखी झाड़ियों और जंगल के बड़े हिस्से में फैलने लगी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। समय रहते आग बुझ जाने से बड़ा हादसा टल गया। फायर कर्मियों के मुताबिक आग कारखाने की वर्कशॉप एरिया की बाउंड्री के बाहर लगी थी, जबकि बाउंड्री के अंदर ट्रैक पर रेल के डिब्बे खड़े थे। अगर समय पर आग पर नियंत्रण नहीं पाया जाता तो नुकसान की आशंका बढ़ सकती थी। फायर स्टेशन प्रभारी मुकेश गिरी ने बताया कि टीम ने तत्परता दिखाते हुए आग को फैलने से रोक लिया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। मामले की जांच की जा रही है।

भारत के दुश्मन पर इजरायल का सबसे बड़ा अटैक, पाकिस्तान का बुरा हाल!

● गाजा युद्ध के बाद तुर्की के राष्ट्रपति और एदोर्गन जो है यह लगातार इजराइल की आलोचना करते हुए नजर आए हैं।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊः 77 साल तक इजराइल तुर्की के इतिहास के सबसे विवादित मुद्दे पर चुप रहा। लेकिन अब उसने अचानक एक ऐसा कदम उठाया है जिसने तुर्की की टेंशन तो बढ़ा दी है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि इस फैसले से भारत को भी रणनीतिक फायदा मिलेगा। दरअसल इजराइल की कैबिनेट ने एक प्रस्ताव को मंजूरी दी है। जिसमें 1915 में ऑटोमन साम्राज्य यानी कि आज के तुर्की द्वारा अर्मेनियाई लोगों की हुई हत्याओं को आधिकारिक तौर पर नरसंहार माना गया। हालांकि यह प्रस्ताव अभी अंतिम नहीं है क्योंकि इसे कानून बनाने के लिए इजराइली संसद की मंजूरी मिलना अभी बाकी है। अगर संसद भी इस इसे मंजूरी दे देती है तो इजराइल भी उन देशों में शामिल हो जाएगा जिन्होंने इस घटना को नरसंहार के रूप में स्वीकार किया है। दूसरी तरफ तुर्की आज भी इस शब्द को पूरी तरह खारिज करता है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि इजराइल ने 77 साल तक चुप रहने के बाद अचानक ऐसा फैसला इस तुर्की के खिलाफ क्यों लिया? इसकी सबसे बड़ी वजह है दोनों देशों के लगातार बिगड़ते हुए रिश्ते।

गाजा युद्ध के बाद तुर्की के राष्ट्रपति और एदोर्गन जो है यह लगातार इजराइल की आलोचना करते हुए नजर आए हैं। जवाब में अब इजराइल तुर्की पर सिर्फ सैन्य या फिर कूटनीतिक नहीं बल्कि ऐतिहासिक और नैतिक दबाव भी बनाना चाहता है। इसलिए कई एक्सपर्ट्स इस इजराइल के फैसले को इतिहास से ज्यादा मौजूद भू राजनीति का हिस्सा मान रहे हैं। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती है क्योंकि अब इसमें एंट्री होती है भारत की भी। तुर्की पिछले कई वर्षों से पाकिस्तान का खुला समर्थक रहा है और कश्मीर के मुद्दे पर भी भारत के खिलाफ लगातार बयान भी देता रहा है। वहीं तुर्की और अज़रबजान के बीच भी बेहद करीबी रणनीतिक रिश्ते हैं। दूसरी तरफ भारत ने हाल के वर्षों में अर्मेनिया के साथ अपने रक्षा संबंध लगातार मजबूत किए हैं और उसे हथियार भी उपलब्ध कराए हैं। ऐसे में अगर

इजराइल तुर्की पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ाता है तो क्षेत्रीय शक्ति संतुलन भारत के लिए कुछ मामलों में पहले से ज्यादा अनुकूल हो सकता है।

भारत ने जो रणनीतिक साझेदारी अर्मेनिया के साथ बनाई है, उससे प्रत्यक्ष कूटनीतिक मजबूती मिल सकती है। इसका मतलब यह बिल्कुल भी नहीं है कि भारत और इजराइल मिलकर तुर्की के खिलाफ कोई संयुक्त अभियान चला रहे हैं या फिर उसे निशाना कर रहे हैं। लेकिन इतना जरूर है कि तुर्की को लेकर दोनों देशों के रणनीतिक हित कई जगह पर एक दूसरे से करीब और मेल खाते हुए दिखाई दे रहे हैं। यही वजह है कि इस फैसले को सिर्फ इतिहास नहीं बल्कि बदलते वैश्विक समीकरण का एक बड़ा संकेत माना जा रहा है। अब सबकी नजर इजराइली संसद पर होगी।

एंटी करप्शन ने उसका बाजार ब्लाक में तैनात बीएमएम को दस हजार रुपए घूस लेते हुए धर दबोचा

सिद्धार्थनगर। जिले के उसका बाजार ब्लॉक परिसर में एंटी करप्शन की टीम ने बुधवार को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के ब्लॉक मिशन मैनेजर के पद पर तैनात संविदाकर्मी पंकज कुमार को 10 हजार की घूस लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। संविदाकर्मी ने ब्लॉक में आपूर्ति की गई सामग्री के भुगतान के नाम पर पैसों की डिमांड की थी।एंटी करप्शन ने उसके खिलाफ सिद्धार्थनगर कोतवाली में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराया है। जानकारी के अनुसार ई-टेंडरिंग के माध्यम से कुछ दिन पूर्व ब्लॉक में जरूरी सामान की आपूर्ति हुई थी,इसके भुगतान के लिए विगत कई दिनों से संबंधित आपूर्तिकर्ता ब्लाक के चक्कर लगा रहा था।यहां उसकी मुलाकात पंकज कुमार से हुई जिसने ब्लॉक के उच्चाधिकारी से भुगतान कराने का आश्वासन दिया और इसके बदले में कमीशन की मांग की।कई बार दौड़ाने के बाद भी जब भुगतान की पत्रावली आगे नहीं बढ़ी तो पीड़ित ने एंटी करप्शन से संपर्क किया।एंटी करप्शन की टीम ने पंकज कुमार को पकड़ने के लिए जाल बिछाया।बुधवार की दोपहर आपूर्तिकर्ता ब्लाक परिसर में स्थित राष्ट्रीय आजीविका मिशन के ब्लाक मिशन मैनेजर पंकज कुमार को 10 हजार का घूस दिया।

दिव्यांग एवं कुष्ठावस्था पेंशन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु उ0प्र0 सरकार प्रतिबद्ध

लखनऊः प्रदेश के दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री नरेन्द्र कश्यप, (स्वतंत्र प्रभार) ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित दिव्यांग पेंशन एवं कुष्ठावस्था पेंशन योजना के माध्यम से समाज के निर्धन एवं जरूरतमंद वर्गों को आर्थिक सहायता प्रदान करने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में इन योजनाओं के सफल संचालन के लिए पर्याप्त बजट का प्रावधान किया गया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में दिव्यांग पेंशन योजना हेतु ?1,47,004.69 लाख तथा कुष्ठावस्था पेंशन योजना हेतु ?4,860.00 लाख का बजट निर्धारित किया गया है, ताकि पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पेंशन उपलब्ध कराई जा सके। वर्तमान वित्तीय वर्ष में लाभार्थियों के भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया को तीव्र गति से संचालित किया जा रहा है। उ0प्र0 सरकार द्वारा इस संबंध में समस्त जिलाधिकारियों एवं जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किये जा चुके हैं। इन निर्देशों के अनुपालन में प्रदेश के जनपदों द्वारा 91.50 प्रतिशत लाभार्थियों के भौतिक सत्यापन कार्य को पूर्ण किया जा चुका है, जबकि शेष लाभार्थियों के सत्यापन की प्रक्रिया जारी है। मंत्री नरेन्द्र कश्यप

ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विगत वर्ष दिव्यांग भरण-पोषण अनुदान (दिव्यांग पेंशन) योजना के अंतर्गत 1,43,923.26 लाख की धनराशि व्यय करते हुए 12,23,295 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया था। वहीं कुष्ठावस्था पेंशन योजना के अन्तर्गत ?4,785.30 लाख की धनराशि व्यय कर 13,667 लाभार्थियों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई थी। भारत सरकार के निर्देशों के अनुरूप विभाग द्वारा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना को एनएसएपी (छंजपवदंस वबपंस ेपेजंदबम च्तवहतंउउम) पोर्टल पर ऑनलाइन किए जाने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है, जिसके पूर्ण होने पर लाभार्थियों को बिना किसी तकनीकी बाधा के पारदर्शी एवं अधिक प्रभावी ढंग से एवं समयबद्ध रूप से पेंशन हस्तांतरित की जा सकेगी। **सम्पर्क सूत्र- मो0 इकबाल खान**

दहेज उत्पीड़न, मारपीट व प्रताड़ित करने के आरोप में पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोलाबाजार गोरखपुरः गोला थाना क्षेत्र में एक गांव की विवाहिता द्वारा दी गई तहरीर पर पति समेत पांच लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट, धमकी देने तथा घर से निकालने के आरोप में मुकदमा सुसंगत धाराओं में पंजीकृत हुआ है। प्राप्त विवरण के अनुसार, गोला थाना क्षेत्र के ग्राम रामपुर गड़री निवासी तन्नु प्रजापति ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उसका विवाह तकरीबन 2 वर्ष पूर्व हुआ था। विवाह के दौरान मायके पक्ष की ओर से नकद रुपये, सोने-चांदी के आभूषण, घरेलू सामान, फर्नीचर एवं अन्य उपहार दिए गए थे। बारात आने पर ससुराल पक्ष ने विवाह में अधिक खर्च होने की बात कहते हुए एक लाख रुपये अतिरिक्त की मांग करने लगे। बाद में समझौते के बाद विवाह संपन्न हुआ।

पीड़िता का आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद पति, सास, ससुर, देवर एवं अन्य परिजनों ने अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। विरोध करने

पर उसके साथ मारपीट की गई। उसने इसकी जानकारी अपने मायके वालों को दी, जिसके बाद पंचायत भी हुई, लेकिन इसके बावजूद प्रताड़ना बंद नहीं हुई। महिला ने आरोप लगाया कि इस बीच उसके यहां एक पुत्री का जन्म हुआ, जिसके बाद ससुराल वालों का व्यवहार और अधिक खराब हो गया। बीते 3 जून को पति, सास, ससुर, देवर तथा आजिया सास ने उसके आभूषण और अन्य सामान अपने कब्जे में लेकर उसे केवल पहने हुए कपड़ों में घर से निकाल दिया। साथ ही जान से मारने की धमकी भी दिया। पीड़िता की शिकायत पर गोला पुलिस ने बीएनएस की धारा 85, 115(2), 351(3) तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961 की धारा 3 एवं 4 के तहत पति समेत पांच आरोपितों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है।

यूपी में रोजगार और आजीविका को नई गति देगी वीबी-जी राम जी योजना- केशव प्रसाद मौर्य

● विकसित भारत-जी राम जी योजना का 02 जुलाई को होगा, राज्यव्यापी जन सम्मेलन, लॉन्च इवेंट कार्यक्रम

● देश के साथ ही उत्तर प्रदेश में 01 जुलाई 2026 से लागू हुयी, वीबी-जी राम जी योजना

● 02 जुलाई को राज्यभर में जन सम्मेलन एवं 10,000 कार्यों का होगा शुभारंभ

● 02 जुलाई 2026 को राज्यव्यापी जन सम्मेलन लॉन्च इवेंट कार्यक्रम के मुख्य अतिथि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊः उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशो के क्रम में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के स्थान पर वी.बी.जी. राम जी (विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन-ग्रामीण) योजना 01 जुलाई 2026 से पूरे देश सहित उत्तर प्रदेश में भी लागू हो गयी है। श्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशो के अनुपालन मे ग्राम्य विकास विभाग मुख्यालय द्वारा सभी जनपद, विकासखण्ड एवं ग्राम पंचायत स्तर पर मनरेगा से संबंधित साइन बोर्ड, सूचना पट्टिकाओं आदि को अपडेट कर 'विकसित भारत- गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) योजना, उत्तर प्रदेश' नाम अंकित करने के निर्देश पूर्व मे ही दिये गये है।

02 जुलाई, 2026 को राज्यव्यापी जन सम्मेलन लॉन्च इवेंट कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य मोतीलाल नेहरू इंजीनियरिंग कालेज प्रयागराज के ऑडिटोरियम में ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वीबी-जी राम जी योजनान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित होंगे। 02 जुलाई, 2026 को राज्यव्यापी जन सम्मेलन लॉन्च इवेंट कार्यक्रम निर्धारित दिशा निर्देशो के अनुरूप होगा। 02 जुलाई, 2026 को तिरुपति, आंध्र प्रदेश में केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्तर पर योजना का शुभारंभ समारोह होगा। इसके अनुरूप उत्तर प्रदेश में भी प्रत्येक

विकास खण्ड की 02 ग्राम पंचायतों में जन सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। जन सम्मेलन में योजना के अंतर्गत कार्यों का शुभारंभ करना, निर्वाचित जन प्रतिनिधियों, श्रमिकों, स्वयं सहायता समूह के सदस्यों एवं स्थानीय समुदाय के साथ जन सम्मेलन आयोजित होगा। प्रस्तावित कार्यों एवं विकसित ग्राम पंचायत योजना का प्रदर्शन किया जाएगा। विकसित भारत- जी राम जी योजना की मुख्य विशेषताओं, लाभों एवं 125 दिनों के रोजगार गारंटी पर प्रचार सामग्री (पोस्टर, बैनर, स्टैंडी) का प्रदर्शन करने के निर्देश दिये गये हैं। प्रदेश में कुल 10,000 कार्य 2 जुलाई को शुरू किए जाएंगे। सर्वाधिक कार्य शुरू करने वाले जनपदों में आजमगढ़ (342), जौनपुर (337), गाज़ीपुर (326), सीतापुर (319) आदि शामिल हैं।

बता दें कि योजना का प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की गारंटी को मजबूत करना है,आजीविका संवर्धन एवं विकसित ग्राम पंचायतों का निर्माण करना,पारदर्शिता, डिजिटल प्रणाली एवं विकेन्द्रीकृत योजना बनाना है। आयुक्त, ग्राम्य विकास विभाग श्री जी.एस. प्रियदर्शी ने सभी मुख्य विकास अधिकारियों/ अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयकों को निर्देश दिये है कि जन सम्मेलन का सफल आयोजन सुनिश्चित किया जाए तथा योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए।

सम्पर्क सूत्र- बी0एल0 यादव

अमेठी में मुख्यमंत्री आवास योजना से संवर रहे गरीबों के आशियाने

लखनऊः किसी भी परिवार के लिए एक सुरक्षित और सम्मानजनक घर केवल चार दीवारों का ढांचा नहीं होता, बल्कि यह उसके बेहतर भविष्य, आत्मसम्मान और सामाजिक सुरक्षा की मजबूत बुनियाद होता है। उत्तर प्रदेश की वर्तमान सरकार का यह दृढ़ संकल्प है कि प्रदेश का कोई भी पात्र परिवार आवास जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित न रहे। इसी जनकल्याणकारी सोच को धरातल पर उतारने के लिए प्रदेश में 'मुख्यमंत्री आवास योजना' ग्रामीण का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। यह योजना आज प्रदेश के हजारों जरूरतमंद परिवारों के जीवन में खुशियों और उम्मीदों की एक नई रोशनी लेकर आई है। वर्ष 2017 से पूर्व इस प्रकार की कोई विशिष्ट योजना संचालित नहीं थी, लेकिन वर्तमान सरकार ने ग्रामीण गरीबों की इस बुनियादी समस्या को बेहद गंभीरता से लिया और इस योजना को एक सशक्त और प्रभावी स्वरूप प्रदान किया।

इसी कड़ी में जनपद अमेठी में यह योजना ग्रामीण गरीबों, निराश्रित महिलाओं, दिव्यांगजनों तथा प्राकृतिक एवं दैवीय आपदाओं से प्रभावित परिवारों के लिए एक बड़ा वरदान साबित हो रही है। जिला प्रशासन के कुशल मार्गदर्शन, प्रभावी क्रियान्वयन और सतत निगरानी के चलते इस योजना का लाभ पात्र लोगों तक पूरी तरह से पारदर्शी, निष्पक्ष और समयबद्ध तरीके से पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण का मूल उद्देश्य उन परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराना है जो आर्थिक तंगी के कारण आज भी फूस, टिनशेड या अत्यंत जर्जर एवं कच्चे मकानों में रहने को विवश हैं। बरसात के मौसम में टपकती छतें, गर्मी का असहनीय तापमान और सर्दी के मौसम में सुरक्षा का अभाव इन परिवारों के जीवन को अत्यंत कष्टप्रद बना देता है।

ऐसे में लाचार परिवारों के लिए यह योजना एक सुरक्षित और गरिमापूर्ण जीवन की नई शुरुआत बनकर सामने आई है, जिसमें गरीब परिवारों को पात्रता के आधार पर प्राथमिकता के साथ इस योजना से लाभान्वित किया जा रहा है। अमेठी जिले में शासन और प्रशासन के साझा प्रयासों से वित्तीय वर्ष 2019-20 से लेकर 2025-26 तक कुल 10,054 पक्के आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं। यह संख्या महज कोई सरकारी आंकड़ा भर नहीं है, बल्कि यह उन हजारों परिवारों की मुस्कान, संतुष्टि और खुशहाली का जीवंत प्रतीक है, जिनके जीवन में इस योजना से एक बड़ा सकारात्मक बदलाव आया है।

प्रशासन द्वारा योजना की प्रगति की निरंतर समीक्षा की जाती है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हर एक पात्र लाभार्थी का चयन बिना किसी भेदभाव के हो और स्वीकृत आवासों का निर्माण कार्य तय समय सीमा के भीतर पूरी गुणवत्ता के साथ संपन्न कराया जा सके। विभागीय तंत्र द्वारा फील्ड स्तर पर किए जाने वाले नियमित निरीक्षण, भौतिक सत्यापन और सतत मॉनिटरिंग ने इस पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता की एक नई मिसाल पेश की है।

तकनीकी और वित्तीय दृष्टि से भी यह योजना अत्यंत सुदृढ़ और लोक- हितैषी है। इसके तहत घर के निर्माण के लिए सरकार द्वारा पात्र परिवारों को सीधे उनके बैंक खातों में वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। मैदानी और पर्वतीय क्षेत्रों के नियमों के अनुसार लगभग ?1.20 लाख से ?1.30 लाख तक की यह राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे ट्रांसफर की जाती है।

वित्तीय सहायता के साथ-साथ इस योजना को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) से भी जोड़ा गया है। इसके अंतर्गत आवास निर्माण के कार्य में मदद के लिए लाभार्थी को लगभग 90 से 100 दिनों तक की अकुशल मजदूरी का लाभ भी प्रदान किया जाता है, जिससे उन्हें अपने ही घर के निर्माण में रोजगार मिल जाता है। इसके अतिरिक्त, स्वच्छता और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए स्वच्छ भारत मिशन के समन्वय से प्रत्येक आवास में शौचालय निर्माण हेतु ?12,000 की अलग से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इस योजना का सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील पहलू यह है कि यह ग्रामीण आबादी के लिए केवल एक पक्की छत का निर्माण ही नहीं करती है, बल्कि समाज के सबसे कमजोर और हाशिए पर खड़े वर्गों के भीतर एक अभूतपूर्व आत्मविश्वास जगाती है। अपना खुद का पक्का घर मिल जाने के बाद इन ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों को पढ़ाई-लिखाई के लिए एक सुरक्षित और बेहतर वातावरण मिल रहा है। घर की मालकियत मिलने से महिलाओं के आत्मसम्मान और सामाजिक सशक्तिकरण में भारी वृद्धि हुई है। अनेक लाभार्थियों का मानना है कि पक्का आवास मिल जाने के बाद उनके जीवन में एक बड़ा स्थायित्व आया है और शासन की नीतियों के प्रति उनका विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है।

वास्तव में, प्रदेश सरकार का लक्ष्य केवल आवास निर्माण तक ही सीमित नहीं है, बल्कि वह ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास, जीवन स्तर में व्यापक सुधार और एक समावेशी समाज के निर्माण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण इसी व्यापक दृष्टिकोण का एक मुख्य हिस्सा है, जिसके माध्यम से हर गरीब को सम्मान का अधिकार मिल रहा है। आज अमेठी के हजारों परिवार अपने नए और सुरक्षित आशियाने में एक सम्मानजनक जीवन जीते हुए राज्य सरकार की जनहितैषी सोच और विकासोन्मुखी नीतियों के प्रत्यक्ष गवाह बन रहे हैं। यह योजना उन सभी के लिए आशा और सुरक्षा का एक नया अध्याय लिख रही है, जिनके लिए कभी अपने पक्के घर की कल्पना करना भी एक कठिन स्वप्न जैसा था। **जनपद-अमेठी**

डॉक्टर डेः सफेद कोट में भगवान, धड़कनों के रखवाले को हजार सलाम

संपादक/लेखकः राजीव शुक्ला

1 जुलाई को भारत में 'राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस' मनाया जाता है। ये दिन सिर्फ कैलेंडर की एक तारीख नहीं है। ये उस भरोसे का दिन है जो एक मरीज सबसे ज्यादा दर्द में भी एक अजनबी पर करता है। उस अजनबी का नाम हैः डॉक्टर।

ये दिन क्यों? डॉ. बिधान चंद्र रॉय की विरासत

डॉक्टर डे भारत में हर साल 1 जुलाई को पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री और महान चिकित्सक डॉ. बिधान चंद्र रॉय की जयंती और पुण्यतिथि पर मनाया जाता है। डॉ. रॉय MBBS, MRCP और FRCS थे। उन्होंने बिना फीस लिए हजारों मरीजों का इलाज किया। राजनीति में आने के बाद भी वो रोज सुबह 4 बजे उठकर मरीज देखते थे। उनके लिए मरीज भगवान था और सेवा धर्म। इसी सोच को सलाम करने के लिए 1991 से 1 जुलाई को डॉक्टर डे घोषित हुआ। सफेद कोट के पीछे छुपी जिंदगी

हम डॉक्टर को सिर्फ OPD में 5 मिनट देखते हैं। पर उसके पीछे क्या है? नींद की कुर्बानीः 36 घंटे की ड्यूटी, इमरजेंसी कॉल, रात 2 बजे उठकर IC दौड़ना। त्योहार, जन्मदिन, शादी सब हॉस्पिटल की ड्यूटी के आगे सेकेंड पर आ जाता है।

दिमाग का बोझः एक गलत दवा, एक छूटा हुआ लक्षण, और किसी की पूरी दुनिया उजड़ सकती है। इसलिए हर केस में 100% दिमाग लगाना पड़ता है। डिप्रेशन और बर्नआउट डॉक्टरों में सबसे ज्यादा है।

जोखिम उठाकर सेवाः कोविड-19 में PPE किट पहनकर 12 घंटे काम करना, संक्रामक बीमारियों के बीच खड़े रहना, कभी-कभी मरीजों के परिजनों का गुस्सा झेलना। फिर भी वो भागते नहीं हैं। यही है मानव सेवा। किताबों से नहीं, जिगर से की जाने वाली सेवा। डॉक्टर सिर्फ इलाज नहीं करते, वो उम्मीद देते हैं। गांव का डॉक्टर : जहां MRI-CT नहीं, वहां स्टेथोस्कोप से बीमारी पकड़ लेता है। 50 रुपये फीस में 1 घंटे समझाता है। सर्जनः 8 घंटे टेबल पर झुका रहता है, ताकि किसी और को जिंदगी मिल जाए। बाल रोग विशेषज्ञ : रोते हुए बच्चे को चॉकलेट देकर इंजेक्शन लगाता है, और मां को हिम्मत देता है।

ग्रामीण MBBS डॉक्टरः बाढ़, महामारी, एक्सीडेंट में सबसे पहले वही पहुंचता है, एंबुलेंस से पहले। कोविड से लेकर डेंगू, हार्ट अटैक से लेकर डिलीवरी तक, हर संकट में सबसे आगे वो सफेद कोट ही खड़ा मिला। डॉक्टर भगवान नहीं हैं। वो इंसान हैं। उनसे गलती हो सकती है, वो थक सकते हैं। पर इरादा उनका हमेशा सेवा का ही होता है। भरोसा रखिए, सवाल पूछिए : गूगल डॉक्टर से पहले असली डॉक्टर की सुनिए। इज्जत दीजिएः इमरजेंसी में गाली की जगह धन्यवाद दीजिए। वो भी आपके जैसा इंसान है। सेल्फ-केयर : डॉक्टर को भी आराम, सम्मान और सुरक्षित माहौल चाहिए। हिंसा से उनका मनोबल टूटता है, इलाज नहीं सुधरता। निष्कर्षः हजार सलाम कम हैं। डॉक्टर वो पुल है जो 'बीमारी' और 'जिंदगी' के बीच बना है।

वो रात-रात भर जागकर हमारे अपनों की सांसें गिनते हैं। फीस लेते हैं, पर कई बार उम्मीद फ्री में दे देते हैं। इस 1 जुलाई को अपने फैमिली डॉक्टर, अपने शहर के उस सरकारी हॉस्पिटल के डॉक्टर, या उस जूनियर रेजिडेंट को एक मैसेज कर दीजिए। कहिएः 'डॉक्टर साहब, आपकी मानव सेवा को हजार सलाम।' क्योंकि जब सब थक जाते हैं, तब भी धड़कन चलती रहती है। और उस धड़कन को चलाने वाला सफेद कोट होता है। लेकिन हम इसे भी नजरंदाज नहीं कर सकते कि चिकित्सा सेवा का व्यवसायीकरण हो चुका है और आम जनता का कहीं कहीं शोषण भी हो रहा है। आज इलाज मानव सेवा न रहकर बेहद महंगा व्यापार बन चुका है। अत्यधिक व्यवसायीकरण के समय में आज कई निजी अस्पताल व नर्सिंग होम लाभ कमाने का केंद्र बन गए हैं। मरीजों को अनावश्यक रूप से महंगी जांचें और दवाइयां लिखी जातीं हैं, जिससे आम आदमी बहुत परेशान है।

पर्यटन एवं संस्कृति विभाग पीपीपी मॉडल से प्रदेश के ऐतिहासिक इमारतों का होगा कायाकल्प

लखनऊः उत्तर प्रदेश के पर्यटन विभाग ने प्रदेश के विभिन्न जनपदों में स्थित पुरानी इमारतों, किले तथा महलों का कायाकल्प करके देशी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने की शुरूआत की पहल की गई है। प्रदेश में पर्यटकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए राज्य सरकार ने यह निर्णय लिया है। इसके तहत पुराने जीर्ण-शीर्ण ऐतिहासिक धरोहरों, किलों को सहेज कर भव्य और आकर्षक रूप दिया जायेगा, जिससे पर्यटकों को किले अथवा राजमहल में ठहरने जैसी अनुभूति प्राप्त हो सके। प्रदेश सरकार एडाप्ट हेरीटेज पॉलिसी के अंतर्गत ऐतिहासिक महत्व के भवनों को संरक्षित रखने के साथ विकास और जनसहभागिता के लिए स्मारक मित्रों का चयन कर रही है। पहले चरण में 05 स्मारकों के लिए स्मारक मित्र चयनित किये गये हैं। दूसरे चरण में 26 स्मारकों के लिए स्मारक मित्र चयन करने की कार्यवाही चल रही है। वीरता और पराक्रम के प्रतीक प्रदेश के बुन्देलखण्ड सहित कई जनपदों में पुराने किले तथा महल मौजूद हैं। पर्यटन विभाग निजी सहभागिता के आधार पर इनका सौन्दर्यीकरण कराने का निर्णय लिया है।

इसको लेकर गत वर्ष किलों/महलों के स्वामियों एवं उनके उत्तराधिकारियों को आमंत्रित कर एक संगोष्ठी आयोजित की गई थी। इसमें जीर्णोद्धार कार्य में लगे हुए लोगों, विशेषज्ञों तथा निवेशकों को भी शामिल किया गया। प्रदेश के तमाम प्राचीन किले एवं महल जर्जर एवं दयनीय स्थिति में हैं। बढ़ती आबादी, औद्योगीकरण, शहरीकरण एवं विकास संबंधी गतिविधियों के चलते इन ऐतिहासिक सम्पत्तियों के आसपास अतिक्रमण एवं बहुमूल्य सामानों के साथ छेड़छाड़ की भी घटनाएं प्रायः प्रकाश में आती हैं। इन किलों से बहुत-सी कहानियां एवं दन्त कथाएं जुड़ी हुई हैं। इसके अलावा इन किलों का ऐतिहासिक महत्व है। बहुत से किले एवं महल स्थापत्य कला के अद्भुत नमूने हैं। इनको भावी पीढ़ी के लिए संरक्षित करना जरूरी है।

पर्यटन विभाग इन इमारतों को पीपीपी मॉडल पर विकसित कर पर्यटन गतिविधियां संचालित करेगा। इस कदम से जहां एक ओर इन प्राचीन इमारतों का मौलिक सौन्दर्य वापस लौटेगा। इसके साथ ही इन्हें संरक्षित भी किया जा सकेगा। इसके साथ ही दुर्गम एवं बीहड़ स्थानों पर स्थित होने के कारण कहीं-कहीं अवस्थापना सुविधाओं का अभाव है। इनका विकास होने पर दर्शकों एवं पर्यटकों का आवागमन बढ़ेगा। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार के साथ राज्य सरकार को राजस्व भी प्राप्त होगा। इसी को दृष्टिगत रखते हुए पर्यटन विभाग ने राजस्थान की तर्ज पर इन धरोहरों को विकसित करने का निर्णय लिया है। प्रदेश सरकार इन ऐतिहासिक धरोहरों को हेरिटेज सर्किट में शामिल करके बुनियादी सुविधाओं से लैस करेगी।

इनकी मार्केटिंग तथा ब्रान्डिंग के साथ ही व्यापक प्रचार-प्रसार करके अधिक से अधिक देशी-विदेशी सैलानियों को उ0प्र0 की ओर आकर्षित किया जायेगा। इससे उ0प्र0 में रोजगार के साथ-साथ आमदनी के रास्ते खुलेंगे। प्रदेश में आध्यात्मिक सर्किट पर्यटकों को सर्वाधिक आकर्षित कर रहे है। अयोध्या, काशी, मथुरा, कुशीनगर जैसे स्थल पर्यटकों के लिए पसंदीदा गन्तव्य स्थल के रूप में स्थान बनाये हुए हैं। पीपीपी मॉडल पर पुरानी इमारतों को संवारने के बाद पर्यटकों के लिए घूमने के लिए विकल्प के रूप में नये स्थल प्राप्त होंगे।

उ0प्र0 में निवेशकों के लिए पर्यटन नीति-2022 में आकर्षक सुविधाओं के साथ ही सब्सिडी एवं विभिन्न प्रकार की छूट की व्यवस्था की गयी है। उ0प्र0 में औद्योगिक एवं पर्यटन संबंधी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए इन्स्पेक्टर राज और लालफीताशाही को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। इसके अलावा बेकार एवं अनुपयोगी कानूनों को भी खत्म किया जा रहा है।

वर्ष 2017 के बाद से प्रदेश की स्थिति में व्यापक बदलाव आया है। अब यह बीमारू राज्य के चक्रव्यूह से निकलकर अर्थव्यवस्था के ग्रोथ इंजन के रूप में आगे बढ़ रहा है।

राज्य सरकार प्रदेश में उद्योग-धन्धों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार पूरी ईमानदारी एवं पारदर्शिता के साथ निवेशकों के साथ खड़ी है। रेल, रोड, सड़क, वायु तथा हेलीपोर्ट एवं अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी विकसित की गई है। यूपी की अर्थव्यवस्था लगातार छलांग लगा रही है। यूपीजीआईएस-23 के दौरान 33 लाख 50 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए।

उ0प्र0 अब सर्वोत्तम प्रदेश की राह पर चल पड़ा है। इससे उत्तर प्रदेश देश की जीडीपी में अपना योगदान अधिक से अधिक देने में सक्षम होगा। राज्य सरकार ने छतरमंजिल लखनऊ, चुनारफोर्ट मिर्जापुर, बरुआसागर फोर्ट झांसी, कोठी गुलिस्ताने एरम, कोठी दर्शन विलास, कोठी रोशन उद्दौला, लखनऊ, बरसाना जलमहल मथुरा, शुक्ला तालाब कानपुर देहात, टिकैतराय बारादरी कानपुर सिटी, बुन्देलखण्ड की कुछ सम्पत्तियों-तहरोली फोर्ट झांसी, चिरगॉव फोर्ट झांसी, मडवारा फोर्ट, मस्तानी महल सलारपुर, सेनापति भवन आदि को पीपीपी मॉडल पर विकसित करने के लिए चिन्हित किया है।

इन इमारतों का कायाकल्प होने से पर्यटकों की आवाजाही बढ़ेगी। प्राचीन स्मारक हमारे गौरवशाली इतिहास और समृद्ध विरासत के प्रतीक हैं। इनको संरक्षित, संवर्धित करके बचाये रखना है। इसके साथ ही जनसहभागिता के माध्यम से खासतौर से युवा पीढ़ी देशी व विदेशी पर्यटकों को इन प्राचीन विरासत को बचाने में सहयोग के लिए जागरूकता भी उत्पन्न करता है। **-केवल**

रकुल प्रीत सिंह की फिल्म जाया जानकी नयका का यूट्यूब पर रिकॉर्ड

» 1 बिलियन व्यूज पाने वाली बनी पहली फिल्म
» रकुल प्रीत सिंह और बेलमकोंडा श्रीनिवास की तेलुगु फिल्म 'जया जानकी नायका' के हिंदी डब वर्जन ने यूट्यूब पर 100 करोड़ व्यूज पार कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है
» जो इसे यह कीर्तिमान स्थापित करने वाली दुनिया की पहली फिल्म बनाता है।

साल 2017 में आई तेलुगु फिल्म 'जया जानकी नायका' ने एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। रकुल प्रीत सिंह और बेलमकोंडा श्रीनिवास की इस फिल्म के हिंदी डब वर्जन को यूट्यूब पर 100 करोड़ (1 बिलियन) से ज्यादा बार देखा जा चुका है। दुनिया भर में यह रिकॉर्ड बनाने वाली यह पहली फिल्म बन गई है। इस बड़ी कामयाबी से खुश होकर एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने कहा कि अगर हम इस संख्या की तुलना सिनेमाघरों में जाने वाले लोगों से करें, तो यह एक बहुत बड़ा आंकड़ा है। यह वाकई हैरान करने वाला और शानदार है।

फिल्म के फ्लॉप होने की खबरों को बताया गलत

रकुल ने बताया कि उन्हें इस फिल्म को मिल रहे अच्छे व्यूज के बारे में पता तो था, लेकिन 100 करोड़ का आंकड़ा छूना उनके लिए भी एक बड़ा सरप्राइज था। उन्होंने हंसते हुए कहा कि यह सच है या नहीं, इसे देखने के लिए वह खुद यूट्यूब पर गई। इसके साथ ही उन्होंने इंटरनेट पर चल रही उन खबरों को गलत बताया जिनमें इस फिल्म को फ्लॉप कहा गया था। रकुल ने साफ किया कि जब यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, तब भी इसे दर्शकों का बहुत प्यार मिला था और पूरी टीम ने इसकी सफलता का जश्न मनाया था।

फिल्मों के लिए खुलेंगे नए रास्ते

रकुल प्रीत सिंह का मानना है कि साल 2020 में कोरोना महामारी के बाद से साउथ की फिल्मों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ज्यादा दर्शक मिलने लगे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस फिल्म की सफलता के बाद आने वाले समय में फिल्मों और मेकर्स के लिए नए रास्ते खुलेंगे। रकुल ने कहा कि अभी ओटीटी की दुनिया में सीमित विकल्प हैं, लेकिन यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म के मजबूत होने से नए मेकर्स को अपनी फिल्में लोगों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। आने वाले समय में ऐसी छोटी फिल्में या त्योहारों वाली फिल्में जिन्हें थिएटर नहीं मिल पाते, वे सीधे यूट्यूब पर भी रिलीज की जा सकेंगी।

भारत में नवजात और छोटे बच्चों के लिए खिलौना बन गया है मोबाइल

भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने जन्म से तीन वर्ष तक के बच्चों की सतत देखभाल के लिए समग्र शिशु बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (एसएसबीएसके) की शुरुआत की है। इस योजना के अंतर्गत जन्म से तीन वर्ष तक के सभी बच्चों का न केवल नियमित टीकाकरण किया जाएगा, बल्कि उनके वजन, पोषण तथा शारीरिक एवं मानसिक विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। कमजोर एवं गंभीर बीमारियों से ग्रस्त बच्चों का उपचार भी सरकार द्वारा निःशुल्क कराया जाएगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जे.पी. नड्डा ने कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर बताया कि जन्म के बाद प्रारंभिक अवधि में स्वास्थ्य विभाग की टीमें ग्राम स्तर तक प्रत्येक नवजात की नियमित निगरानी करेंगी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य शिशु मृत्यु दर में कमी लाना, कुपोषण को रोकना तथा बच्चों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना है।

भारत में आज भी बड़ी आबादी दैनिक मजदूरी पर निर्भर है। आर्थिक कठिनाइयों के कारण अनेक परिवारों में गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों को पर्याप्त एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध नहीं हो पाता। इसका परिणाम यह होता है कि अनेक बच्चे जन्म से ही कमजोर और कुपोषित होते हैं तथा आगे चलकर गंभीर बीमारियों का शिकार बन जाते हैं। कार्यक्रम के शुभारंभ के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने एक महत्वपूर्ण अपील भी की कि नवजात और छोटे बच्चों को मोबाइल फोन से यथासंभव दूर रखा जाए। यह अपील इसलिए आवश्यक है क्योंकि आज मोबाइल धीरे-धीरे छोटे बच्चों का सबसे प्रिय 'खिलौना' बनता जा रहा है।

अक्सर माता-पिता अपने दैनिक कार्यों में व्यस्त रहने के कारण बच्चों को मोबाइल थमा देते हैं। रंग-बिरंगी स्क्रीन और वीडियो में बच्चे इतने खो जाते हैं कि धीरे-धीरे उन्हें मोबाइल की आदत लग जाती है। बाद में जब यही आदत उनके शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है, तब दोष केवल मोबाइल को दिया जाता है, जबकि इसके लिए कहीं न कहीं अभिभावकों की भूमिका भी जिम्मेदार होती है। आज प्रश्न यह है कि कितने माता-पिता अपने बच्चों के लिए खिलौने, कहानी की पुस्तकें, कॉमिक्स या रचनात्मक गतिविधियों की व्यवस्था करते हैं? यदि बचपन से ही बच्चों को मोबाइल की जगह पुस्तकों, खेलों और रचनात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित किया जाए, तो उनका मानसिक और सामाजिक विकास अधिक संतुलित होगा।

चिकित्सकों का भी मानना है कि अत्यधिक स्क्रीन टाइम बच्चों की आंखों, नींद, एकाग्रता, भाषा विकास तथा व्यवहार पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। इसलिए आवश्यक है कि माता-पिता स्वयं भी मोबाइल के उपयोग में संयम बरतें और बच्चों के सामने स्वस्थ उदाहरण प्रस्तुत करें। जब तक समाज स्वयं अपनी इच्छाशक्ति से मोबाइल के अनियंत्रित उपयोग पर अंकुश नहीं लगाएगा, तब तक बच्चों को स्क्रीन की लत, कुपोषण और अन्य विकास संबंधी समस्याओं से बचाना सरकार और समाज दोनों के लिए एक बड़ी चुनौती बना रहेगा।

अरविंद रावल

दैनिक राशिफल

मेष आज आत्मविश्वास बढ़ेगा और रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है। नौकरी में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन अधिक भागदौड़ से थकान हो सकती है। शुभ रंगः लाल 7 शुभ अंकः 9

वृषभ आज आर्थिक मामलों में सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात लाभदायक साबित हो सकती है। कार्यक्षेत्र में मेहनत का उचित फल मिलेगा। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। शुभ रंगः सफेद 7 शुभ अंकः 6

मिथुन आज आपकी वाणी और बुद्धिमत्ता लोगों को प्रभावित करेगी। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। नौकरी में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी। शुभ रंगः हरा 7 शुभ अंकः 5

कर्क भावनाओं में बहकर कोई बड़ा निर्णय लेने से बचें। धन संबंधी मामलों में सोच-समझकर निवेश करें। परिवार का सहयोग मिलेगा। जीवनसाथी के साथ संबंध मजबूत होंगे। शुभ रंगः चांदी 7 शुभ अंकः 2

सिंह आज मान-सम्मान में वृद्धि होगी। सरकारी कार्यों में सफलता मिल सकती है। व्यापार में लाभ के योग हैं। सामाजिक गतिविधियों में आपकी सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। शुभ रंगः सुनहरा 7 शुभ अंकः 1

कन्या कार्यस्थल पर आपकी मेहनत की सराहना होगी। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी। किसी महत्वपूर्ण योजना पर काम शुरू कर सकते हैं। खान-पान का ध्यान रखें। शुभ रंगः हरा 7 शुभ अंकः 5

तुला आज भाग्य का साथ मिलेगा। नए कार्यों की शुरुआत के लिए दिन शुभ है। प्रेम जीवन में खुशियां आएंगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य की चर्चा हो सकती है। शुभ रंगः गुलाबी 7 शुभ अंकः 7

वृश्चिक धैर्य और संयम बनाए रखें। कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ सकता है। अनावश्यक विवादों से दूर रहें। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें। शुभ रंगः मैरून 7 शुभ अंकः 8

धनु लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होंगे। नौकरी में पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के संकेत हैं। व्यापार में लाभ होगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। शुभ रंगः पीला 7 शुभ अंकः 3

मकर आर्थिक लाभ के अच्छे योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी योजनाएं सफल होंगी। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। वाहन चलाते समय सावधानी रखें। शुभ रंगः नीला 7 शुभ अंकः 8

कुंभ नई योजनाओं पर काम करने का सही समय है। मित्रों का सहयोग मिलेगा। करियर में उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। प्रेम संबंधों में विश्वास बनाए रखें। शुभ रंगः आसमानी 7 शुभ अंकः 4

मीन आज रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार के साथ सुखद समय व्यतीत होगा। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में शुभ समाचार मिल सकता है। शुभ रंगः पीला 7 शुभ अंकः 7

कलम से क्रांति, कलम से ही भ्रांति, लेखन का असीमित प्रभाव

(ज्यादा सोचें, कम बोलें)

मनुष्य को प्रकृति ने अनेक वरदान दिए हैं, किंतु उनमें सबसे विलक्षण वरदान वाणी और शब्द हैं। शब्द ही मनुष्य को अन्य प्राणियों से अलग पहचान देते हैं। भारतीय चिंतन परंपरा में कहा गया अक्षर कभी नष्ट नहीं होते।शब्द समय की सीमाओं को लाँघकर पीढ़ियों तक जीवित रहते हैं। इसी कारण लेखनी को तलवार से अधिक शक्तिशाली माना गया है। तलवार केवल शरीर को घायल करती है, जबकि शब्द मन, मस्तिष्क और आत्मा तक को झकझोर देते हैं। इसलिए यह कहा गया है कि बोलने से पहले सौ बार सोचो, और लिखने से पहले हजार बार। लेखनी सृजन का भी माध्यम है और विनाश का भी। कलम से क्रांति भी जन्म लेती है और भ्रांति भी फैलती है। इतिहास साक्षी है कि विचारों ने साम्राज्यों को बदला है, क्रांतियों को जन्म दिया है और सभ्यताओं की दिशा निर्धारित की है। महान फ्रांसीसी चिंतक वोल्टेयर का कथन है विचारों की शक्ति तलवार से कहीं अधिक स्थायी होती है। इसी भाव को अंग्रेज़ी साहित्य के प्रसिद्ध लेखक अर्नेस्ट हेमिंग्वे ने अपने लेखन से सिद्ध किया। उनके शब्द सीधे पाठकों के हृदय में उतर जाते थे। शब्दों की यही संवेदनशीलता उन्हें विश्व साहित्य के शिखर पर स्थापित करती है।

भारतीय साहित्य की परंपरा भी शब्दों की इसी दिव्य शक्ति की साक्षी है। गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस के माध्यम से न केवल भक्ति का अमृत प्रवाहित किया, बल्कि भारतीय समाज को नैतिकता, मर्यादा और मानवता का मार्ग भी दिखाया। कबीर ने सहज और लोकभाषा में ऐसे दोहे रचे जो आज भी सामाजिक चेतना के दीपक हैं। उन्होंने कहा कि

ऐसी वाणी बोलिए, मन का आपा खोय। औरन को शीतल करे, आपहुं शीतल होय॥

यह केवल काव्य नहीं, बल्कि संपूर्ण जीवन-दर्शन है। मुंशी प्रेमचंद ने अपने उपन्यासों और कहानियों के माध्यम से समाज की पीड़ा को शब्द दिए। उनकी लेखनी ने शोषितों, किसानों और वंचितों की आवाज़ बनकर साहित्य को जनजीवन से जोड़ा। देवकीनंदन खत्री की चंद्रकांता और चंद्रकांता संतति ने लाखों लोगों को हिंदी सीखने के लिए प्रेरित किया। यह किसी लेखक की लेखनी की सबसे बड़ी सफलता कही जा सकती है। आधुनिक हिंदी साहित्य में अज्ञेय ने भाषा को नई संवेदनशीलता और बौद्धिक ऊँचाई प्रदान की।

उनकी शब्दावली भले ही गंभीर रही हो, किंतु उसका प्रभाव पाठकों के अंतर्मन तक पहुँचता है। रामधारी सिंह 'दिनकर' ने लिखा था शब्द जब अन्याय के विरुद्ध उठते हैं, तब वे क्रांति बन जाते हैं। यही साहित्य का वास्तविक उद्देश्य भी है।

राजनीति और कूटनीति में शब्दों का महत्व और भी बढ़ जाता है। एक शब्द युद्ध का कारण बन सकता है तो दूसरा शांति का सेतु। इतिहास में अनेक अवसर ऐसे आए जब नेताओं के भाषणों ने समाज को दिशा दी, तो अनेक बार असावधान वक्तव्यों ने हिंसा और वैमनस्य को जन्म दिया। कूटनीति में तो एक-एक शब्द को अत्यंत सावधानी से चुना जाता है, क्योंकि उसका अर्थ केवल भाषा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि राष्ट्रों के संबंधों को भी प्रभावित करता है।

महाभारत का प्रसंग इसका सशक्त उदाहरण है। द्रौपदी के कटु वचनों और अपमान की घटनाओं ने अंततः महायुद्ध का मार्ग प्रशस्त किया। दूसरी ओर भगवान श्रीकृष्ण के उपदेशों ने अर्जुन के संशय को दूर कर धर्म और कर्तव्य का मार्ग प्रशस्त किया। यह शब्दों की ही शक्ति थी। आज के डिजिटल युग में शब्दों की शक्ति और भी बढ़ गई है। सोशल मीडिया पर लिखा गया एक वाक्य लाखों लोगों तक कुछ ही क्षणों में पहुँच जाता है। एक असत्य सूचना समाज में भ्रम, भय और हिंसा फैला सकती है, जबकि एक सकारात्मक संदेश लाखों लोगों को प्रेरित कर सकता है। इसलिए लेखन और वक्तव्य दोनों में संयम, सत्य और उत्तरदायित्व अनिवार्य हैं।

महात्मा गांधी ने कहा था सत्य और अहिंसा केवल कर्म में ही नहीं, वाणी में भी दिखाई देनी चाहिए।

स्वामी विवेकानंद युवाओं से कहते थे–ऐसा बोलो जिससे लोगों में आत्मविश्वास जागे, निराशा नहीं।

आचार्य विनोबा भावे का मानना था कि वाणी वही श्रेष्ठ है जो मनुष्य और समाज दोनों का कल्याण करे।

अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भी शब्दों का महत्व अत्यंत गहरा है। विश्व के बड़े राष्ट्रों के राष्ट्राध्यक्षों के वक्तव्य कई बार युद्ध और शांति के बीच की दूरी तय करते हैं। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में संवाद, संयम और कूटनीतिक भाषा की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। भारत की पहचान विश्व में शांति, सह-अस्तित्व और संवाद की संस्कृति के कारण रही है। यही कारण है कि अनेक अंतरराष्ट्रीय विवादों में भारत को विश्वसनीय मध्यस्थ के रूप में देखा जाता है।

भारतीय संस्कृति ने सदैव 'वसुधैव कुटुम्बकम' और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' का संदेश दिया है। हमारी संत परंपरा, साहित्य और दर्शन मधुर वाणी, संतुलित भाषा और सद्विचारों को सामाजिक विकास का आधार मानते हैं। शब्द तभी सार्थक हैं जब वे मनुष्य को जोड़ें, तोड़ें नहीं; आशा जगाएँ, निराशा नहीं; शांति स्थापित करें, संघर्ष नहीं। आज आवश्यकता इस बात की है कि विशेषकर युवा पीढ़ी सोशल मीडिया, सार्वजनिक जीवन और व्यक्तिगत व्यवहार में शब्दों का चयन अत्यंत सावधानी से करे। कम बोलना, अधिक सोचना और सार्थक लिखना ही व्यक्तित्व की सबसे बड़ी पहचान है। **अंततः** यही कहा जा सकता है कि संसार पर वही व्यक्ति स्थायी प्रभाव छोड़ता है जो अपने शब्दों का विवेकपूर्ण प्रयोग करना जानता है। गलत शब्द संबंध तोड़ सकते हैं, समाज में विद्वेष फैला सकते हैं और विनाश का कारण बन सकते हैं; जबकि मधुर, संतुलित और सत्यनिष्ठ शब्द टूटे हुए मनों को जोड़ सकते हैं, युद्ध को शांति में बदल सकते हैं और मानवता को नई दिशा दे सकते हैं। कलम केवल स्याही से नहीं चलती, वह विचारों, विवेक, संवेदना और उत्तरदायित्व से चलती है। इसलिए लिखिए भी सोच-समझकर, बोलिए भी तौल-तौलकर क्योंकि कलम से क्रांति भी जन्म लेती है और कलम से ही भ्रांति भी।

संजीव ठाकुर

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

पटेल नगर प्रीमियर लीग का शुभारंभ, 16 टीमों ने कराया पंजीकरण

बिसवां, सीतापुर। पटेल नगर में आयोजित होने जा रही पटेल नगर प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता को लेकर खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में उत्साह का माहौल है। प्रतियोगिता का आयोजन मौसम रस्तोगी एवं मोहम्मद आज़म के नेतृत्व में किया जा रहा है। आयोजकों ने बताया कि टूर्नामेंट में कुल 16 टीमों ने अपना पंजीकरण कराया है। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि के रूप में युवा समाजसेवी कृतिन जायसवाल को आमंत्रित किया गया है। आयोजकों ने बताया कि टूर्नामेंट का उद्देश्य क्षेत्र की युवा प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना तथा खेल भावना को बढ़ावा देना है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमों में दुष्यंत सिंह इलेवन के कप्तान दुष्यंत ब्रावो तथा विमल टाइगर इलेवन के कप्तान विमल शामिल हैं। दुष्यंत सिंह इलेवन की टीम में अतुल यादव, दुष्यंत सिंह, आयुष, अर्पित, आदि, शैलेंद्र, अमन और बृजेश जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं विमल टाइगर इलेवन में अंकित, नाग, विशाल, सद्दाम, अभिषेक, आयुष, तन्नू और विभु अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है। प्रतियोगिता के दौरान रोमांचक मुकाबलों की उम्मीद जताई जा रही है।

गांव की पानी की टंकी के पास लाठी-डंडों से हुई मारपीट, कई घायल; पुलिस ने दर्ज किया केस, जांच शुरू

चन्दापुर/रायबरेली। चन्दापुर थाना क्षेत्र के ग्राम पूरे बंजारन मजरे खैराहाना में शराब के नशे में हुई कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया। गांव की पानी की टंकी के पास दो पक्ष आमने-सामने आ गए और जमकर लाठी-डंडे चले। मारपीट में दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए, जिन्हें 108 एम्बुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महराजगंज पहुंचाया गया। घटना के बाद गांव में कुछ समय के लिए तनाव का माहौल बन गया। पुलिस के अनुसार, 28 जून 2026 को क्षेत्र भ्रमण के दौरान उपनिरीक्षक विजय प्रताप सिंह को सूचना मिली कि पूरे बंजारन मजरे खैराहाना में दो पक्षों के बीच विवाद हो रहा है। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि प्रथम पक्ष के शाबिर, जाकिर, शाकिर और मकबूल तथा द्वितीय पक्ष के गुलजारी, अरमान, भोले और शाहरुख के बीच शराब के नशे में कहासुनी हुई थी। बताया गया कि शाम करीब 7:30 बजे दोनों पक्ष गांव की पानी की टंकी के पास फिर आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों ओर से गाली-गलौज, जान से मारने की धमकियां तथा लाठी-डंडों से मारपीट शुरू हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। थाना प्रभारी अरविंद सिंह ने बताया कि घटना से गांव की शांति व्यवस्था प्रभावित हुई। उपनिरीक्षक विजय प्रताप सिंह की तहरीर पर दोनों पक्षों के आठ नामजद आरोपियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सीताग्रुप के छात्रों ने सीएचसी अधीक्षक समेत कई डॉक्टरों का जताया आभार

महमूदाबाद- सीतापुर चिकित्सा एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सबसे बड़ी सेवा का माध्यम है। चिकित्सकों की कर्तव्यनिष्ठा और अथक प्रयासों से ही समाज स्वस्थ, सुरक्षित और सशक्त बनता है। समाज के प्रति उनकी निस्वार्थ सेवा अनुकरणीय है। उक्त बातें सीता ग्रुप ऑफ एजूकेशन के चेयरमैन आरके वाजपेयी ने राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों के सम्बोधित करते हुये कही। उन्होंने चिकित्सकों के समर्पण, सेवा-भाव और समाज के प्रति निस्वार्थ योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सीता ग्रुप की सभी शाखाओं के विद्यार्थियों ने नगर में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े सम्मानित चिकित्सकों का भावपूर्ण अभिनंदन किया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने महमूदाबाद सीएचसी के अधीक्षक डॉ. आशीष सिंह व उनके समस्त स्टाफ के साथ-साथ डॉ. महाराज सिंह, डॉ. स्वाति पांडेय, डॉ. मीनाक्षी तथा डॉ. विपिन व अन्य चिकित्सकों का रोली-टीका व बैज लगाकर माल्यार्पण करने के साथ मिठाई खिलाकर सम्मान किया। सभी चिकित्सकों ने बच्चों के इस स्नेह और सम्मान के लिए संस्था का धन्यवाद किया। इस अवसर पर सीता ग्रुप ऑफ एजूकेशन की शिक्षिका दीक्षा तिवारी, उपांशी, रितेश कश्यप उपस्थित रहें। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लेकर चिकित्सकों के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट की।

सहकारिता क्षेत्र में उत्तर प्रदेश बना देश के लिए मॉडल

● एम-पैक्स से डिजिटल क्रांति तक नई पहचान

भारत टैक्सी सहकारिता आधारित स्वरोजगार का अभिनव मॉडल, युवाओं के लिए रोजगार का नया द्वार- जे.पी.एस. राठौर.

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के पांचवें स्थापना दिवस के अवसर पर बुधवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमतीनगर में राज्य स्तरीय सहकारी सप्ताह का शुभारंभ उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने किया। कार्यक्रम में सहकारिता क्षेत्र की उपलब्धियों, डिजिटलीकरण, किसानों के सशक्तीकरण तथा युवाओं के लिए रोजगार सृजन की दिशा में प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि सहकारिता भारतीय संस्कृति और सामाजिक व्यवस्था का अभिन्न अंग है। समूह में कार्य करने से विकास और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन तथा केंद्रीय सहकारिता एवं गृह मंत्री के नेतृत्व में देश में सहकारिता आंदोलन नई ऊंचाइयों पर पहुंचा है। उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी जैसी पहल युवाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराने के साथ उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का प्रभावी माध्यम बन रही है। उन्होंने कहा कि सहकारिता के माध्यम से किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2014 के बाद देश की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ी है और उत्तर प्रदेश भी विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। प्रदेश का बजट तीन गुना हुआ है, प्रति व्यक्ति आय बढ़ी है तथा सड़क, शिक्षा, बिजली, पानी और कानून-व्यवस्था सहित विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि सहकारिता के माध्यम से उत्तर प्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाने का लक्ष्य है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राज्य सहकारी संघ के अध्यक्ष जे.पी.एस. राठौर ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश की सहकारिता व्यवस्था गंभीर चुनौतियों से जूझ रही थी, लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में व्यापक सुधारों के परिणामस्वरूप बंद पड़े 16 जिला सहकारी बैंकों का पुनर्जीवन किया गया। आज प्रदेश के 50 में से 46 जिला सहकारी बैंक लाभ में हैं और वित्तीय वर्ष 2025-26 में इन बैंकों ने 152.78 करोड़ रुपये का लाभ अर्जित किया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश की 6,840 एम-पैक्स समितियों को उर्वरक व्यवसाय के लिए 10 लाख रुपये तक की ब्याजमुक्त ऋण सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिसे बढ़ाकर 15 लाख रुपये किए जाने की तैयारी है। इन समितियों ने लगभग 7,000 करोड़ रुपये का कारोबार कर करीब 200 करोड़ रुपये की आय अर्जित की है। वर्तमान में 5,686 पैक्स समितियों का कंप्यूटरीकरण, 1,479 समितियों में सोलर रूफटॉप, 1,315 गोदामों का सुदृढ़ीकरण तथा 161 जन औषधि केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। क्यूआर कोड आधारित डिजिटल भुगतान प्रणाली के माध्यम से अब तक 18 करोड़ रुपये से अधिक का डिजिटल लेन-देन किया जा चुका है। राठौर ने बताया कि सदस्यता महाअभियान के तहत वर्ष 2023 और 2025 में 54 लाख से अधिक नए सदस्य जुड़े, जिससे 113 करोड़ रुपये का शेयर कैपिटल प्राप्त हुआ। वहीं जिला सहकारी बैंकों में दो लाख से अधिक नए खाते खोले गए तथा लगभग 550 करोड़ रुपये की नई जमा राशि प्राप्त हुई।

कार्यक्रम के दौरान सहकारिता क्षेत्र में केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों पर आधारित विशेष वीडियो फिल्म का प्रदर्शन किया गया। साथ ही भारत टैक्सी पहल पर मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) विवेक पाण्डेय ने प्रस्तुतीकरण देते हुए बताया कि यह सहकारिता आधारित मॉडल युवाओं को स्वरोजगार, ड्राइवरों एवं वाहन स्वामियों को संगठित मंच तथा सम्मानजनक एवं स्थायी आजीविका उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इस अवसर पर जे.पी.एस. राठौर ने कहा कि भारत टैक्सी केवल परिवहन सेवा नहीं, बल्कि सहकारिता के माध्यम से रोजगार, आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तीकरण का नया मॉडल है। प्रदेश सरकार सहकारी बैंकों के माध्यम से इस योजना से जुड़े लोगों को रियायती दर पर ऋण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र, बस्ती के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. एस.के. तोमर ने प्राकृतिक एवं जैविक खेती में सहकारिता की भूमिका पर व्याख्यान दिया। वहीं उत्तर प्रदेश स्टेट कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड की शाखाओं में आधार सेवा का शुभारंभ भी किया गया, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाएं और अधिक सरल, सुलभ एवं डिजिटल बनेंगी। समारोह के दौरान सहकारिता क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभिन्न पैक्स समितियों, जिला सहकारी बैंकों, पदाधिकारियों तथा ई-केसीसी योजना के लाभार्थी किसानों को सम्मानित एवं प्रतीकात्मक चेक वितरित किए गए। कार्यक्रम में परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह, प्रमुख सचिव सहकारिता अजय शुक्ला, सहकारिता आयुक्त एवं निबंधक योगेश कुमार, पीसीएफ के प्रबंध निदेशक चंद्रभूषण सिंह, नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक पंकज कुमार, यूआईडीएआई के उपमहानिदेशक प्रशांत कुमार सिंह, विभिन्न जिला सहकारी बैंकों एवं सहकारी संस्थाओं के अध्यक्ष, विभागीय अधिकारी, कर्मचारी, किसान तथा बड़ी संख्या में सहकारिता क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सम्पर्क सूत्र- संजय कुमार/ओबैदुर रहमान

मातृशक्ति को कानूनी अधिकारों के प्रति किया गया जागरूक

● डीएलएसए के कार्यक्रम में महिलाओं को निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं की दी गई जानकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर लहरपुर जिला जज/अध्यक्ष आशीष जैन के आदेशानुसार एवं आलोक यादव, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) सीतापुर के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत सुल्तानपुर तकिया में मातृशक्ति के साथ विधिक जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पीएलवी रहमत अंसारी ने उपस्थित महिलाओं को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रदान की जाने वाली निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर, निराश्रित, महिला, बच्चे, वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांगजन तथा अन्य पात्र व्यक्तियों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। साथ ही महिलाओं के अधिकार, घरेलू हिंसा से संरक्षण, बाल विवाह निषेध, दहेज प्रतिषेध, लैंगिक समानता तथा बच्चों के अधिकारों से संबंधित महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकार मित्र उर्मिला ने महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा किसी भी प्रकार की कानूनी समस्या होने पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से संपर्क कर निःशुल्क सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं हेल्पलाइन नंबरों की भी जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में मातृशक्ति ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विधिक विषयों से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका संतोषजनक समाधान किया गया। उपस्थित महिलाओं ने ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों को समाज के लिए उपयोगी बताते हुए नियमित रूप से आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को कानूनी रूप से सशक्त बनाना, उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा न्याय तक उनकी सहज पहुंच सुनिश्चित करना रहा।

जनरल विपिन रावत डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के झांसी नोड के लिए 43.76 करोड़ रुपये स्वीकृत

लखनऊः उत्तर प्रदेश सरकार ने जनरल विपिन रावत डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के झांसी नोड के अंतर्गत विकसित की जा रही आधारभूत अवसंरचना को गति देने के लिए आंतरिक सड़कों एवं जल निकासी निर्माण कार्य हेतु वित्तीय वर्ष 2026-27 में 43.76 करोड़ रुपये से अधिक की तीसरी किश्त जारी करने की स्वीकृति प्रदान कर है। इस परियोजना के अंतर्गत जनरल विपिन रावत डिफेन्स इण्डस्ट्रियल कारीडोर, झांसी नोड के तहत जनपद झांसी में आन्तरिक सड़कों एवं जल निकासी के निर्माण का कार्य किया जायेगा। इससे डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में उद्योगों के लिए आधुनिक एवं विश्वस्तरीय आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे रक्षा विनिर्माण इकाइयों की स्थापना को बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्र में निवेश तथा रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इस संबंध में अवस्थापना विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार स्वीकृत धनराशि का आहरण केवल वास्तविक एवं तात्कालिक आवश्यकता के अनुरूप किया जाएगा।

सम्पर्क सूत्र- सरिता वर्मा

रोवर तकनीक से होगी भूमि की सटीक पैमाइश, किसानों को मिलेंगे विवादमुक्त स्वामित्व के अधिकार

● उत्तर प्रदेश सरकार का 01 जुलाई से 15 अगस्त तक विशेष अभियान, प्रत्येक तहसील में उपलब्ध रहेंगे रोवर उपकरण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊः उत्तर प्रदेश सरकार ने भूमि पैमाइश व्यवस्था को पारदर्शी, आधुनिक और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए धारा-24 के अंतर्गत 1 जुलाई 2026 से 15 अगस्त 2026 तक राज्यव्यापी रोवर आधारित पैमाइश अभियान प्रारंभ किया है। इस विशेष अभियान का उद्देश्य किसानों एवं आम नागरिकों को भूमि की इंच-इंच की सटीक, निष्पक्ष एवं पारदर्शी पैमाइश उपलब्ध कराना है, जिससे राजस्व संबंधी विवादों का प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। अभियान के तहत प्रदेश की प्रत्येक तहसील में अत्याधुनिक रोवर उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। इन उपकरणों की सहायता से भूमि की वास्तविक स्थिति का वैज्ञानिक एवं डिजिटल तरीके से निर्धारण किया जाएगा। पारंपरिक पैमाइश की तुलना में यह तकनीक अधिक तेज, सटीक और विश्वसनीय है, जिससे मानवीय त्रुटियों की संभावना नगण्य रहेगी तथा राजस्व अभिलेखों की शुद्धता भी बढ़ेगी। रोवर आधारित पैमाइश से सीमा विवादों का त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण संभव होगा। साथ ही अनावश्यक मुकदमों में कमी आएगी और किसानों को उनकी भूमि पर स्पष्ट एवं सुरक्षित अधिकार प्राप्त होंगे। यह पहल राजस्व प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन को और अधिक सुदृढ़ करेगी। उत्तर प्रदेश सरकार ने सभी किसानों एवं भूमि स्वामियों से अपील की है कि वे इस अभियान का अधिक से अधिक लाभ उठाएँ तथा निर्धारित अवधि में अपनी भूमि की पैमाइश कराकर सही अभिलेख सुनिश्चित करें। अभियान से संबंधित विस्तृत जानकारी राजस्व विभाग की वेबसाइट तथा राजस्व परिषद के पोर्टल पर उपलब्ध है।

सम्पर्क सूत्र- आशिया खातून

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक स्वतंत्र प्रभात www.swatantraprabhat.com जो लिखेगा, वही टिकेगा
ब्रेकिंग न्यूज़

शहीदाने कर्बला और अहले बैत से मोहब्बत करना ईमान की मजबूती है:-हसन साकिब तय्यब उस्मानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद सीतापुर। स्थानीय दरगाह हजरत बड़े मखदूम साहब में शोहदाए कर्बला के उनवान पर एक मजलिस का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ हाफिज अरसलान हसनी ने तिलावत कुरान पाक से किया इसके बाद सैय्यद मोहम्मद मोइन अल्वी ने शानदार मन्क़बत पेश की तत्पश्चात क़ारी हसन साकिब उस्मानी उर्फ तय्यब ने जन समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि आज मोहर्रम का अशरा यानी दस मोहर्रम की शब है इस्लाम में नए साल का अंत कुर्बानी से होता है और नए साल का आरंभ भी कुर्बानी से ही होता है अंतिम माह में अल्लाह के नाम पर हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम ने बेहतरीन कुर्बानी पेश की और आरंभ में इस्लाम धर्म के पैगंबर हजरत मोहम्मद मुस्तफा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के प्यारे नवासे हजरत इमाम हुसैन ने अपने नाना के दीन को बढ़ाने और बचने की खातिर एक झूठे और शातिर चरित्रहीन यजीद इब्ने माविया के हाथ में अपना हाथ न देते हुए झूठ और गलत का साथ न देते हुए सच्चाई की राह पर जंग करके अपने सर को दीन इस्लाम पर शहीद कर दिया 10 मोहर्रम की तारीख जो कभी भुलाई नहीं जा सकती। श्री उस्मानी ने आगे कहा कि इससे और बड़ा हमें क्या सबक मिलेगा कि गलत काम में और गलत लोगों के साथ समझौता न करते हुए सच्चाई और सच्चे लोगों का साथ देते हुए इमाम हुसैन के साथियों ने अपनी जान की कुर्बानी देकर एक इतिहास रच दिया आज हम सब उन्हीं की याद में अपने आंसू बहते हैं यहां पर गौर करने की बात है की आखिरी वक्त जब इमाम हुसैन कर्बला के मैदान में अपने 72 साथियों के साथ यजीद मलऊन के लगभग 22 हज़ार सिपाहियों के साथ सन 61 हिजरी में दोपहर के समय शहीद हो रहे थे उस वक्त भी आपने अपनी नमाज नहीं छोड़ी लेकिन आज हमारा हाल यह है कि हम नमाज को छोड़कर अपने सारे काम बहुत अच्छे ढंग से और समय से कर लेते हैं लेकिन अफसोस कि न तो नमाज पढ़ने का वक्त हमारे पास है ना कुरान की तिलावत का समय हमारे पास याद रखें कि अगर इन कामों से हम दूर हैं तो ना तो हम सच्चे हुसैनी हो सकते हैं और जब हुसैनी नहीं है तो मुसलमान होने का कोई मतलब ही नहीं हमें चाहिए कि अल्लाह और उसके रसूल

का दामन मजबूती के साथ पकड़े रहें नमाज की पाबंदी करें अपने चरित्र को उत्तम बनाएं और शोहदा ए कर्बला से दिल से मोहब्बत करें तभी हम दुनिया में भी कामियाब होंगे।इसके बाद मुल्क और मिल्लत के लिए दुआ की गई। मजलिस के संरक्षक दरगाह के सज्जादा नशीन शोएब मियां ने सभी का शुक्रिया अदा किया इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित लोगों में सैय्यद शारिक किरमानी , हाजी सैय्यद इश्तियाक अली वारसी, सैय्यद इमरान किरमानी, शानू खान,सिराजुल हसन खान, शाहिद अली अंसारी, मोहम्मद कय्यूम अंसारी, सैय्यद तौहीद रिज़वी, हाफ़िज़ सैय्यद शारिक किरमानी इमरान सिद्दीकी, पूर्व सभासद शाहिद अली मोल्हे,हसरत अली, समर अहमद,अतीक अहमद, फ़हीम अहमद,आदि उपस्थित रहे।

योगी सरकार की पहल से रेशम किसानों की आय में ऐतिहासिक उछाल

● मंत्री राकेश सचान ने किया सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का लोकार्पण, 08 उत्कृष्ट कीटपालकों को किया सम्मानित

पारदर्शी नीतियों और तकनीक से रेशम क्षेत्र में नई क्रांति, अंतिम किसान तक पहुंचेगा योजना का लाभ-मंत्री सचान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन और मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश रेशम उत्पादन के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। बुधवार को खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा तथा वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान ने रेशम निदेशालय, गोमतीनगर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के विस्तार एवं पीसीएसएफ के अध्यक्ष कक्ष का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि योगी सरकार की किसान-हितैषी नीतियों से रेशम किसानों के जीवन में समृद्धि और आत्मनिर्भरता का नया दौर शुरू हुआ है। मंत्री सचान ने बताया कि प्रदेश के इतिहास में पहली बार शहतूती, टसर एवं एरी सेक्टर की सभी फसलों के ककून पर एमएसपी लागू की गई है। इसका सीधा लाभ किसानों को मिला है। वर्ष 2026-27 की शहतूती सेक्टर की ग्रीष्म फसल में 410324 कि.ग्रा. कोया का उत्पादन हुआ, जिसे किसानों ने 970.96 लाख रुपए में बेचा। यह पिछले वर्ष 2025-26 की तुलना में 273.44 लाख रुपए अधिक है। यानी रेशम किसानों की आय में 39 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई है। इस उपलब्धि का उत्सव मनाते हुए मंत्री राकेश सचान एवं अपर मुख्य सचिव बी. एल. मीणा ने ग्रीष्म फसल, 2026 में सर्वाधिक लाभ अर्जित करने वाले 08 प्रगतिशील कीटपालकों को प्रशस्ति पत्र व शॉल देकर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में गोरखपुर से सत्य प्रकाश सिंह एवं ब्रम्हदेव, गोण्डा से रेनू एवं ठकुराईन वर्मा, लखीमपुर से रामचन्द्र एवं कृष्ण कुमार तथा बहराइच से साहब दयाल एवं मालती शामिल रहे। समीक्षा बैठक में मंत्री सचान ने कहा कि योगी सरकार का संकल्प है कि हर योजना का लाभ पारदर्शिता के साथ अंतिम पात्र किसान तक पहुंचे। उन्होंने निर्देश दिए कि लाभार्थी चयन जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी की देखरेख में हो और प्रत्येक लाभार्थी का नाम, मोबाइल नंबर व दी गई सहायता का पूरा ब्यौरा तैयार कर भौतिक सत्यापन कराया जाए। इससे योजनाओं में शत-प्रतिशत पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। मंत्री सचान ने कहा कि रेशम क्षेत्र को तकनीक से जोड़कर और गुणवत्तापूर्ण सामग्री की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित कर उत्तर प्रदेश को देश का अग्रणी रेशम उत्पादक राज्य बनाया जाएगा। इसके लिए नए और योग्य आपूर्तिकर्ताओं को अवसर देकर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया जाएगा। रेशम फार्मों की भूमि का अभिलेखीकरण, नर्सरी विकास, पौधारोपण और किसान समितियों को सक्रिय करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। मंत्री राकेश सचान ने कहा कि योगी सरकार की दूरदर्शी नीतियों, एमएसपी की सुरक्षा और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस जैसी सुविधाओं से रेशम उत्पादन में गुणात्मक वृद्धि होगी। इससे न केवल किसानों की आय बढ़ेगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

सम्पर्क सूत्र- अमरेश कुमार

महानिदेशक कारागार प्रशासन ने विभागीय समीक्षा कर दिए निर्देश

● कारागारों में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जाए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊः उत्तर प्रदेश के महानिदेशक कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं श्री पी.सी. मीना द्वारा बुधवार को कारागार विभाग के समस्त उप महानिरीक्षकों, वरिष्ठ अधीक्षकों, अधीक्षकों एवं प्रभारी अधीक्षकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। प्रदेश के सभी कारागार उपमहानिरीक्षक मुख्यालय में बैठक में भौतिक रूप से उपस्थित रहे। बैठक में कारागार अधीक्षक स्तर पर लंबित विभागीय कार्यवाहियों एवं शिकायतों, विशेषकर मानवाधिकार से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए महानिदेशक ने सभी लंबित मामलों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। महानिदेशक ने बंदियों द्वारा आत्महत्या एवं पलायन जैसी घटनाओं की रोकथाम को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए सभी कारागारों में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक संवेदनशील स्थान को सीसीटीवी निगरानी के दायरे में लाया जाए तथा सभी क्रियाशील बैरकों की सीसीटीवी कैमरों द्वारा प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जाए। साथ ही मेन वाल वायर फेंसिंग, अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरों की स्थापना तथा मुख्यालय स्थित वीडियो वॉल के माध्यम से श्रंतअपे प्रणाली द्वारा की जा रही सतत निगरानी की भी समीक्षा की गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुरक्षा संबंधी किसी भी प्रकार की लापरवाही पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में कारागारों में आयोजित किए जा रहे मासिक अलार्म अभ्यास, आदर्श कारागारों में बंदियों के स्थानांतरण की अद्यतन स्थिति, वार्षिक अनुरक्षण हेतु उपलब्ध कराए गए बजट के उपयोग, महिलाओं के साथ रह रहे बच्चों के कल्याण हेतु जनपद स्तरीय बैठकों की प्रगति, निरुद्ध दिव्यांग बंदियों के दिव्यांगता प्रमाण-पत्र निर्गत कराने की कार्यवाही तथा मृतक आश्रितों की अनुकम्पा नियुक्तियों से संबंधित प्रकरणों की भी विस्तृत समीक्षा की गई। महानिदेशक ने सभी संबंधित अधिकारियों को इन कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर महानिरीक्षक कारागार धर्मेन्द्र सिंह, पुलिस उपमहानिरीक्षक कारागार कुंतल किशोर, प्रदीप गुप्ता, सुभाष चंद्र शाक्य, श्री राजेश श्रीवास्तव, उपमहानिरीक्षक कारागार पी.एन. पाण्डेय, शैलेन्द्र मैत्रेय, डॉ. रामधनी, वित्त नियंत्रक आबिद अंसारी तथा वरिष्ठ अधीक्षक रंग बहादुर पटेल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सम्पर्क सूत्र- सी0एल0 सिंह

कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के बाईपास रोड स्थित एक उत्सव लॉन में बुधवार से श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ हो गया। कथा शुरू होने से पहले नगर में भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं, युवतियां, बच्चे और श्रद्धालु शामिल हुए। कलश यात्रा से पहले श्रद्धालु कथा स्थल पर एकत्र हुए। आचार्य ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से पूजन कराया। इसके बाद कलश यात्रा कथा स्थल से निकली। यात्रा गांधी चौराहा, बेहटा चौराहा, हनुमान मंदिर सहित नगर के विभिन्न देवालयों से होकर वापस कथा स्थल पहुंची। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं में भक्ति और उत्साह का माहौल रहा। वृंदावन से पधारे कथा व्यास चैतन्य जी महाराज ने कथा का शुभारंभ किया। आयोजक मंडल के दीपप्रकाश शुक्ला ने बताया कि कथा प्रतिदिन शाम छह बजे से रात साढ़े नौ बजे तक होगी। सात जुलाई को कथा का समापन होगा। आठ जुलाई को विशाल भंडारा और प्रसाद वितरण किया जाएगा। इस अवसर पर रामस्वरूप यादव, बराती लाल यादव, हनुमान यादव, रामचंद्र मिश्रा, बलराम, राजन यादव, मुन्ना, सुंदरलाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

जुलाई के पहले दिन इंटर कॉलेज ऐहार में विद्यार्थियों का तिलक-माल्यार्पण से स्वागत

लालगंज, रायबरेली। लालगंज क्षेत्र के श्री गणेश विद्यालय इंटर कॉलेज, ऐहार में गर्मी की लंबी छुट्टियों के बाद बुधवार को नए शैक्षणिक सत्र के प्रथम दिन विद्यार्थियों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। विद्यालय पहुंचे छात्र-छात्राओं का शिक्षकों ने तिलक लगाकर, पुष्पमाला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर अभिनंदन किया। स्वागत समारोह से बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे और विद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल देखने को मिला। विद्यालय के प्रधानाचार्य अवनीन्द्र पांडे ने बताया कि प्रबंधक कार्तिकेय शंकर बाजपेई के निर्देशन में जुलाई के पहले दिन विद्यार्थियों का भव्य स्वागत किया गया। विद्यालय परिवार का उद्देश्य बच्चों में विद्यालय के प्रति अपनापन, उत्साह और नियमित अध्ययन की भावना विकसित करना है। स्वागत के बाद सभी विद्यार्थियों को लड्डू वितरित किए गए। प्रधानाचार्य ने बच्चों को प्रतिदिन समय से विद्यालय आने, पूरे मनोयोग से पढ़ाई करने तथा अनुशासन का पालन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने आसपास के ऐसे बच्चों को भी विद्यालय से जोड़ने का आह्वान किया, जो अभी तक प्रवेश नहीं ले सके हैं, ताकि अधिक से अधिक बच्चे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने बताया कि नए सत्र के पहले ही दिन से विद्यालय की सभी कक्षाओं का नियमित संचालन शुरू कर दिया गया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों का परिचय लेकर उनकी पढ़ाई की तैयारी का भी जायजा लिया तथा पूरे शैक्षणिक सत्र में नियमित उपस्थिति बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य ने अभिभावकों से भी अपील की कि वे बच्चों को प्रतिदिन समय से विद्यालय भेजें और उनकी पढ़ाई में सहयोग करें, जिससे उनका सर्वांगीण विकास हो सके। इस अवसर पर शिक्षक दिलीप द्विवेदी, सतीश मिश्रा, राकेश मिश्रा, भीमसेन, गिरजा शंकर, अनुपमा सिंह, संगीता देवी सहित विद्यालय के सभी शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीएम योगी ने सहारनपुर से ‘स्कूल चलो अभियान’ के दूसरे चरण का किया शुभारंभ

लखनऊः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को सहारनपुर से राज्यव्यापी ‘स्कूल चलो अभियान’ के दूसरे चरण का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने बच्चों को नवीन सत्र की पाठ्य पुस्तकें, स्कूल बैग व स्टेशनरी वितरित कीं तथा जनपद के सर्वश्रेष्ठ प्रधानाध्यापकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने इस्माइलपुर स्थित सीएम मॉडल कंपोजिट विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मां शाकुम्बरी की पावन धरती और मां सरस्वती के आशीर्वाद से शिक्षा का यह महायज्ञ निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए शिक्षा विभाग पूरी ऊर्जा के साथ अपनी भूमिका निभा रहा है। मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि योगी सरकार के मार्गदर्शन में प्रदेश के हर विद्यालय को मूलभूत सुविधाओं से जोड़ा गया है और शिक्षकों को सम्मान देकर उनके मनोबल को बढ़ाया गया है। इसका परिणाम है कि आज बेसिक शिक्षा विभाग गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने में सर्वोत्तम रूप से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आज का यह अवसर केवल कार्यक्रम का शुभारंभ नहीं, बल्कि देश के उज्ज्वल भविष्य को संवारने और हर बच्चे को मुख्यधारा से जोड़ने का संकल्प है। ‘स्कूल चलो अभियान’ के बारे में जानकारी देते हुए मंत्री ने बताया कि यह अभियान प्रतिवर्ष दो बार 1 से 15 अप्रैल और 1 से 15 जुलाई तक चलाया जाता है। पहले चरण में मुख्यमंत्री द्वारा शुभारंभ के बाद प्रदेश में 20 लाख से अधिक बच्चों का नया नामांकन कराया गया, जिसमें सहारनपुर जनपद में ही 35 हजार से अधिक बच्चों को विद्यालयों से जोड़ा गया। अब द्वितीय चरण में 1 जुलाई से फिर अभियान प्रारंभ हुआ है। मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री जी की शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता इसी से स्पष्ट है कि विपरीत मौसम और परिस्थितियों के बावजूद कार्यक्रम का शुभारंभ निर्धारित तिथि पर समय से किया गया। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत तीन वर्ष के बच्चों को बाल वाटिका में और छह वर्ष के बच्चों को कक्षा एक में नामांकित कराया जाएगा। साथ ही ड्रॉपआउट हो चुके बच्चों को भी वापस शिक्षा की मुख्यधारा में लाया जाएगा। बालिकाओं की सुरक्षा के लिए रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण अभियान भी चलाया जा रहा है। **सम्पर्क सूत्र- धर्मवीर खरे**

संक्षिप्त खबरें

पूर्वी दिल्ली के मंडावली में गंदे पानी की सप्लाई से लोग परेशान, खाली बाल्टी लेकर प्रदर्शन

पूर्वी दिल्ली। मंडावली के साकेत ब्लाक में पेयजल संकट और गंदे पानी की समस्या को लेकर लोगों का गुस्सा अब सड़कों पर नजर आने लगा है। गली नंबर 2, 3, 3 ए, 4 और 5 के निवासियों ने बुधवार को खाली बाल्टियां लेकर विरोध प्रदर्शन किया और जल बोर्ड के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। स्थानीय निवासी अनिल कुमार का कहना है कि वे पिछले करीब डेढ़ साल से पानी की समस्या झेल रहे हैं। उनका आरोप है ज्यादातर समय दिन में पानी आता ही नहीं। कभी कभी रात को 12 बजे पानी आता है वह भी गंदा। विनय ने आरोप लगाया कि अधिकारियों को शिकायत करने पर दो-चार दिन पानी ठीक आता है, लेकिन फिर वही गंदा और बदबूदार पानी सप्लाई होने लगता है, जिससे लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। प्रदर्शन में शामिल उर्मिला ने बताया कि हालात इतने खराब हैं कि कई बार उन्हें आधी रात तक पानी का इंतजार करना पड़ता है, फिर भी पर्याप्त और साफ पानी नहीं मिल पाता। मजबूरी में कई परिवारों को या तो पड़ोसियों से पानी लेना पड़ता है या फिर पानी खरीदकर अपनी जरूरत पूरी करनी पड़ती है। कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। प्रदर्शनकारियों ने जल बोर्ड से स्वच्छ और नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है।

दिल्ली के पहाड़गंज में चल रहा था देह व्यापार का कारोबार, पुलिस ने किया भंडाफोड़; चार महिलाओं को कराया मुक्त

नई दिल्ली। मध्य जिले के पहाड़गंज इलाके में स्पा की आड़ में चल रहे देह-व्यापार के धंधे का पुलिस ने भंडाफोड़ कर स्पा के मैनेजर कम मालिक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान अजय मल्होत्रा के रूप में हुई है। अनैतिक कार्य की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने नकली ग्राहक भेजकर इस पूरे रैकेट का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने स्पा सेंटर से चार महिलाओं को बरामद किया है। वहीं इस स्पा सेंटर से नकदी, ग्राहक एंट्री रजिस्टर और आपत्तिजनक वस्तुएं व अन्य सामान बरामद किया गया है। पुलिस आरोपित अजय मल्होत्रा से पूछताछ कर इस बात का पता लगा रही है कि वह कितने दिनों से इसे चला रहा था और उसके इस गंदे काम में कौन-कौन शामिल हैं। मध्य जिले के पुलिस उपायुक्त रोहित राजबीर सिंह के मुताबिक, 30 जून को उनकी टीम को खबर मिली कि पहाड़गंज इलाके में पंचकुइयां रोड पर एक स्पा सेंटर में देह-व्यापार का धंधा चल रहा है। जानकारी जुटाने के बाद पुलिस ने एक नकली ग्राहक को वहां भेजा।

बातचीत के बाद आरोपित अजय ने दो हजार रुपये लेकर एक महिला को उसके सामने पेश किया। इसके बाद नकली ग्राहक ने पास में मौजूद टीम को इशारा कर दिया। बाद में देर रात को सिन स्पा सेंटर, दूसरी मंजिल, पंचकुइयां रोड पर छापेमारी कर अजय मल्होत्रा को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से एडवांस दिए गए दो हजार रुपये समेत कुछ और नकद व अन्य सामान बरामद हुआ। पुलिस ने यहां से 40, 26, 31 और 26 वर्षीय चार महिलाओं का रेस्क्यू किया।

जमशेदपुर में करणी सेना नेता की हत्या के बाद पुलिस अलर्ट

● जमशेदपुर में छेड़छाड़ का विरोध करने पर करणी सेना नेता हिमांशु सिंह की हत्या के बाद भारी तनाव हो गया है. प्रशासन ने कई इलाकों में निषेधाज्ञा लागू की है. पुलिस की कथित लापरवाही पर उठे सवालों के बीच मुख्यमंत्री ने दो एसएसपी को हटा दिया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

झारखंड के जमशेदपुर में करणी सेना के स्थानीय नेता हिमांशु सिंह की नृशंस हत्या ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है. शनिवार को हुई इस घटना के बाद अब क्षेत्र में कानून व्यवस्था और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं. पुलिस की कथित लापरवाही और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं।

घटना का संक्षिप्त विवरण

बिष्टुपुर के एक बार में छेड़छाड़ का विरोध करना हिमांशु सिंह के लिए जानलेवा साबित हुआ. आरोप है कि मौके पर मौजूद पुलिस ने सुरक्षा का आश्वासन देकर हिमांशु और उनके मित्र को अपनी गाड़ी में बैठाया, लेकिन हमलावरों ने उन्हें गाड़ी से खींचकर चाकू घोंप दिए. इस हमले में हिमांशु ने दम तोड़ दिया, जबकि उनके मित्र की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है।

प्रशासन की सख्ती

मृतक के परिजनों ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और लापरवाह पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग करते हुए अंतिम संस्कार से इनकार कर दिया था. 48 घंटे की समयसीमा बीतने और प्रदर्शनों की बढ़ती आशंका को देखते हुए धालभूम के एसडीओ अर्नव मिश्रा ने साकची, बिष्टुपुर, सोनारी, कदमा, मानगो और एमजीएम थाना क्षेत्रों में बीएनएसएस की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है।

राजनीतिक घमासान और पुलिस पर सवाल

पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने पीड़ित परिवार से मिलकर पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं. उनका कहना है कि हमलावर आधे घंटे तक हिमांशु पर हमला करते रहे और पुलिस मूकदर्शक बनी रही. भाजपा ने चेतावनी दी है कि यदि आरोपी जल्द नहीं पकड़े गए तो

शुक्रवार को शहर बंद किया जाएगा. इसके साथ ही उन्होंने मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी देने और दोषियों के घरों पर बुलडोजर चलाने की मांग की है.

मुख्यमंत्री की बड़ी कार्रवाई

मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसांव के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों (SSP) को पद से हटा दिया है. साथ ही, घटना के समय मौके पर मौजूद चार पुलिसकर्मियों को पहले ही निलंबित किया जा चुका है. झामुमो प्रवक्ता कुणाल सारंगी ने स्पष्ट किया है कि राज्य सरकार अपराध को लेकर 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपना रही है और मुख्यमंत्री स्वयं स्थिति पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं।

सलमान खान ने की फिल्म 'काला हिरण' पर रोक लगाने की मांग

नई दिल्ली। प्रस्तावित फिल्म काला हिरणः द बैटल फॉर लिगेसी के निर्माता ने बुधवार को दिल्ली हाई कोर्ट को बताया कि अब तक फिल्म को सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेशन के लिए नहीं भेजा गया है। फिल्म के खिलाफ अभिनेता सलमान खान की याचिका पर फिल्म निर्माता की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता ने न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ को सूचित किया फिल्म तब तक प्रसारित नहीं की जा सकती, जबकि सेंसर बोर्ड सर्टिफिकेट न दे दे। यह फिल्म अभिनेता सलमान खान के 1998 के काले हिरण के शिकार मामले से प्रेरित है। सलमान खान ने इस फिल्म पर रोक लगाने की मांग की है। सलमान खान के अधिवक्ता निजाम पाशा ने कहा कि फिल्म का पोस्टर और ट्रेलर तो रिलीज हो चुका है, लेकिन फिल्म के प्रसारण की तारीख का अभी एलान नहीं हुआ है। यह फिल्म 1998 के सलमान खान के काले हिरण के शिकार के मामले और गैंग्सटर लारेंस बिश्नोई के साथ उनकी दुश्मनी पर आधारित है।

अमेरिका में बाढ़ का कहर, आंध्र प्रदेश के IT प्रोफेशनल वेंकटेश डोप्पलापुडी की मौत

● आंध्र प्रदेश के भारतीय आईटी पेशेवर और छात्र वेंकटेश डोप्पलापुडी की अमेरिका के कंसास में आई बाढ़ में बह जाने से मौत हो गई।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

वॉशिंगटन। आंध्र प्रदेश के रहने वाले 33 साल के भारतीय IT प्रोफेशनल और स्टूडेंट, वेंकटेश डोप्पलापुडी की अमेरिका के कंसास में अचानक आई बाढ़ के तेज बहाव में बह जाने से मौत हो गई। शनिवार दोपहर वेंकटेश डोप्पलापुडी ह्यूस्टन जा रहे थे, तभी कंसास के कई इलाकों में जबरदस्त तूफान आया। इस तूफान में 6 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी थी। सफर के दौरान वेंकटेश की गाड़ी बाढ़ में बह गई। समर काउंटी के इमरजेंसी रेस्पॉन्डर्स ने बताया कि चश्मदीदों ने एक पुल के पास कार को डूबा हुआ देखा, जिसमें डोप्पलापुडी भी मौजूद थे। हालांकि बचाव दल मौके पर पहुंच गया था, लेकिन पानी के तेज बहाव के कारण वे उन्हें बचाने के लिए अंदर नहीं जा सके। पुलिस ड्रोन और कंसास हाईवे पेट्रोल एयर यूनिट की मदद से कई एजेंसियों ने मिलकर तलाशी अभियान चलाया और अगले दिन डोप्पलापुडी का शव बरामद किया गया।

भारत लाया जाएगा शव

ह्यूस्टन में भारत के वाणिज्य दूतावास ने

वेंकटेश डोप्पलापुडी की मौत पर शोक व्यक्त किया है और पुष्टि की है कि वे स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। बयान में कहा गया, 'ह्यूस्टन में भारत का वाणिज्य दूतावास आंध्र प्रदेश के भारतीय छात्र वेंकटेश डोप्पलापुडी की दुखद मौत से बहुत दुखी है, जिनकी कंसास में अचानक आई बाढ़ के पानी में जान चली गई। वाणिज्य दूतावास इस मुश्किल समय में उनके परिवार और दोस्तों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता है।' बयान में आगे कहा गया, 'वाणिज्य दूतावास परिवार और करीबी लोगों के संपर्क में है और हर संभव मदद के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ तालमेल बैठा रहा है।' वेंकटेश डोप्पलापुडी के शव को भारत लाने में मदद के लिए एक 'GoFundMe' कैंपेन शुरू किया गया है, ताकि उनका परिवार अंतिम संस्कार कर सके। जमा किए गए पैसे का इस्तेमाल ट्रांसपोर्टेशन, अंतिम संस्कार और अन्य खर्चों के लिए किया जाएगा।

लुधियाना- ड्रग्स के खिलाफ़ जागरूकता समारोह आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- पंजाब स्टेट लीगल सर्विसेज़ अथॉरिटी, SAS नगर से मिली गाइडलाइंस के मुताबिक, डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज़ अथॉरिटी, लुधियाना ने NALSA की ड्रग अवेयरनेस एंड वेलनेस नेविगेशन-ए ड्रग-फ्री इंडिया स्कीम के तहत अलग-अलग जागरूकता सेमिनार और शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किए। जागरूकता सेमिनार के दौरान, ड्रग्स के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक बुरे असर, ड्रग्स की रोकथाम, इलाज और रिहैबिलिटेशन के बारे में डिटेल में जानकारी दी गई। इसके अलावा, लीगल सर्विसेज़ अथॉरिटीज़ एक्ट, 1987 के तहत मिलने वाली फ्री कानूनी मदद, लोक अदालतों और दूसरी कानूनी सेवाओं के बारे में भी जानकारी दी गई और यह भी बताया गया कि योग्य लोग डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज़ अथॉरिटी के ज़रिए फ्री कानूनी मदद पा सकते हैं। इस मौके पर सेंट्रल जेल, बोरस्टल जेल, महिला जेल और ऑब्जर्वेशन होम में मौजूद कैदियों को ड्रग-फ्री स्टेटस की शपथ दिलाई गई। सभी पार्टिसिपेंट्स ने ड्रग्स से दूर

रहने, अपने परिवार और समाज को ड्रग्स के बुरे असर के बारे में जागरूक करने और ड्रग-फ्री पंजाब और ड्रग-फ्री इंडिया बनाने में एक्टिव रूप से योगदान देने का वादा किया। इसके अलावा, त्ाा्त सिधवान खुर्द, लुधियाना के स्टूडेंट्स के लिए एक वेबिनार ऑर्गनाइज़ किया गया और स्टूडेंट्स को ड्रग्स से दूर रहने के लिए मोटिवेट किया गया। पैरा-लीगल वॉलंटियर्स ने अलग-अलग जगहों पर इस स्कीम के बारे में एक वीडियो भी चलाया। आखिर में, डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज़ अथॉरिटी, लुधियाना ने सभी नागरिकों से ड्रग्स के खिलाफ चल रहे कैंपेन में एक्टिव रूप से हिस्सा लेने, नई पीढ़ी को ड्रग्स से बचाने और एक हेल्दी, सेफ और ड्रग-फ्री समाज बनाने के लिए मिलकर काम करने की अपील की।

मुसहर बस्तियों में सेवा कार्य कर मनाया गया अखिलेश यादव का जन्मदिन

भदोही। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का जन्मदिन बुधवार को ज्ञानपुर और औराई विधानसभा की पूर्व प्रत्याशी अंजनी सरोज के नेतृत्व में सेवा कार्यों के साथ मनाया गया। इस दौरान सपा कार्यकर्ताओं ने जनपद की विभिन्न मुसहर बस्तियों में पहुंचकर जरूरतमंद परिवारों को आम वितरित किए तथा बच्चों को चॉकलेट और बिस्किट बांटकर उनके चेहरे पर मुस्कान बिखेरी। इस अवसर पर अंजनी सरोज ने अखिलेश यादव के दीर्घायु, स्वस्थ एवं सफल जीवन की कामना करते हुए कहा कि उनके मुख्यमंत्री कार्यकाल में प्रदेश को विकास की नई दिशा मिली। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा गरीब, वंचित और जरूरतमंद लोगों के हितों के लिए कार्य करती रही है, इसी भावना के साथ जन्मदिन को सेवा दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में सपा नेताओं ने अखिलेश यादव के नेतृत्व की सराहना करते हुए उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर केश नारायण यादव, डॉ. नीबू लाल, प्रदीप योगी, राजकुमार यादव, संदीप यादव (मंकी), अजय यादव, राजन यादव सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

हेल्थ मिनिस्टर डॉ. बलबीर सिंह ने ड्रेनेज सिस्टम का रिव्यू किया

● सरकार पटियाला को बारिश के पानी की समस्या से पक्की राहत दिलाने के लिए कमिटेड हैः हेल्थ मिनिस्टर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटियाला- पंजाब के हेल्थ और फैमिली वेलफेयर मिनिस्टर डॉ. बलबीर सिंह ने आज डिप्टी कमिश्नर डॉ. हिमांशु अग्रवाल, म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों और दूसरे संबंधित डिपार्टमेंट के अधिकारियों के साथ पटियाला में शहर के ड्रेनेज सिस्टम का डिटेल्ड रिव्यू किया। इस दौरान उन्होंने बड़ी नदी, छोटी नदी, मेन ड्रेनेज और बारिश के पानी की निकासी से जुड़ी अलग-अलग जगहों का दौरा किया और चल रहे डेवलपमेंट के कामों की प्रोग्रेस का इंस्पेक्शन किया। इस दौरे के दौरान, हेल्थ मिनिस्टर ने संबंधित अधिकारियों से चल रहे प्रोजेक्ट्स के बारे में डिटेल्ड जानकारी ली और काम की क्वालिटी, स्पीड और समय पर पूरा करने के बारे में ज़रूरी इंस्ट्रक्शन दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पंजाब सरकार पटियाला को बारिश के पानी की समस्या से पक्की राहत दिलाने के लिए पूरी तरह कमिटेड है और इस दिशा में प्लान्ड तरीके से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में पटियाला के कई इलाकों में पानी भरने की समस्या को गंभीरता से लेते हुए सरकार ने ड्रेनेज सिस्टम को और मज़बूत और असरदार बनाने के लिए खास कोशिशें शुरू की हैं। इसके तहत ड्रेनेज चैनलों की सफाई, नालों की कैपेसिटी बढ़ाना, पानी का बहाव आसान बनाना और सेंसिटिव जगहों पर ज़रूरी सुधार के काम तेज़ी से किए जा रहे हैं। हेल्थ मिनिस्टर ने कहा कि सरकार का मुख्य मकसद यह पक्का करना है कि भविष्य में भारी बारिश के दौरान किसी भी नागरिक को पानी भरने की वजह से कोई परेशानी न हो। इसके लिए सभी संबंधित डिपार्टमेंट आपस में तालमेल बिठाकर ग्राउंड लेवल पर लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर प्रोजेक्ट की रेगुलर मॉनिटरिंग की जाए और लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हर काम तय समय में हाई स्टैंडर्ड के साथ पूरा किया जाए। डिप्टी कमिश्नर डॉ. हिमांशु अग्रवाल ने हेल्थ मिनिस्टर को भरोसा दिलाया कि बारिश के पानी की निकासी से जुड़े सभी कामों की डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्होंने कहा कि सेंसिटिव इलाकों की खास

तौर पर पहचान करके वहां ज़रूरी सुधार के काम प्राथमिकता के आधार पर किए जा रहे हैं, ताकि मानसून के दौरान किसी भी इमरजेंसी स्थिति से असरदार तरीके से निपटा जा सके। दौरे के दौरान नगर निगम और दूसरे संबंधित विभागों के अधिकारियों ने मौके पर चल रहे विकास कार्यों के बारे में भी जानकारी दी और भरोसा दिलाया कि ड्रेनेज सिस्टम को और बेहतर बनाने के लिए सभी काम युद्ध स्तर पर चल रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि लोगों की बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना पंजाब सरकार की प्राथमिकता है और पटियाला के चौतरफा विकास के लिए ऐसे विकास कार्य भविष्य में भी लगातार जारी रहेंगे। इस मौके पर PDA की चीफ एडमिनिस्ट्रेटर मिस अर्पिता, एडिशनल कमिश्नर श्रीमती सिमरप्रीत कौर और दूसरे विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

दिल्ली पुलिस कमिश्नरेट दिवस 2026 : भव्य परेड का आयोजन

● उपराज्यपाल ने दिया जन-केंद्रित एवं तकनीक आधारित पुलिसिंग का संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को न्यू पुलिस लाइंस, किंग्सवे कैंप स्थित परेड ग्राउंड में कमिश्नरेट दिवस-2026 के अवसर पर भव्य परेड का आयोजन किया। मुख्य अतिथि उपराज्यपाल सरदार तरणजीत सिंह संधू ने परेड की सलामी ली। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, पूर्व पुलिस आयुक्त और अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। उपराज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि दिल्ली पुलिस को जन-केंद्रित, मानवीय, तकनीक-संचालित और जवाबदेह पुलिसिंग की दिशा में निरंतर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहनी चाहिए। 'ऑपरेशन विश्वास' के तहत खोई हुई संपत्ति की बरामदगी की सराहना करते हुए उन्होंने इसे पुलिस और जनता के बीच विश्वास मजबूत करने वाला कदम बताया। साथ ही यातायात नियमों के कड़ाई से पालन और सामुदायिक पुलिसिंग को और सशक्त बनाने पर बल दिया। पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा ने कहा कि वर्ष 2025 की तुलना में जघन्य अपराधों में 8 प्रतिशत, भारतीय न्याय संहिता के मामलों में 12 प्रतिशत, वाहन चोरी में 21 प्रतिशत तथा अन्य चोरी के मामलों में 15 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में 17 प्रतिशत कमी आई है तथा 98 प्रतिशत मामलों की जांच पूरी कर आरोपियों का पता लगाया गया। लगभग 95 प्रतिशत मामलों में निर्धारित समय-सीमा के भीतर आरोप-पत्र न्यायालय में दाखिल किए गए। उन्होंने बताया कि 'ऑपरेशन गैंग बस्ट' और मकोका के तहत की गई कार्रवाई से जघन्य अपराधों में आग्नेयास्त्रों के इस्तेमाल में 27 प्रतिशत की कमी आई है। वहीं 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत वैज्ञानिक विश्लेषण के आधार पर 123 मादक पदार्थ हॉटस्पॉट चिह्नित किए गए हैं। जुलाई माह को 'बाल सुरक्षा जागरूकता माह' के रूप में मनाने की भी घोषणा की गई। समारोह में एसीपी क्षितिज कुमार के नेतृत्व में 18 प्लाटूनों ने आकर्षक परेड प्रस्तुत की। दिल्ली पुलिस के पुरुष ब्रास बैंड और महिला पाइप एवं ब्रास बैंड की मनमोहक प्रस्तुतियां भी आकर्षण का केंद्र रहीं। उपराज्यपाल ने ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले स्वर्गीय कांस्टेबल विक्रम को मरणोपरांत 'आहत वीर सम्मान पत्र-2026' से सम्मानित किया। उनकी पत्नी अनीता सिंह ने सम्मान ग्रहण किया। इसके अलावा ड्यूटी के दौरान साहस का परिचय देने वाले 10 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को भी 'आहत वीर सम्मान पत्र' प्रदान किए गए। उत्कृष्ट सेवा पदक (एमएसएम) से सम्मानित 27 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। स्वच्छता श्रेणी में ग्रेटर कैलाश थाना प्रथम तथा लक्ष्मी नगर थाना द्वितीय रहा। वहीं डीपीए सेक्टर-9, द्वारका, पंजाबी बाग स्टाफ क्वार्टर और पुलिस मुख्यालय अधिकारी आवासीय परिसर को विभिन्न श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ कॉलोनी का पुरस्कार प्रदान किया गया।कमिश्नरेट दिवस समारोह ने दिल्ली पुलिस की पेशेवर कार्यशैली, अनुशासन, आधुनिक पुलिसिंग और जनसेवा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया।

जालंधर रूरल पुलिस ने रिटायर हुए पुलिसवालों को दी विदाई

● 'डिपार्टमेंट के नाम पर एक पौधा' कैंपेन शुरू किया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जालंधर- जालंधर रूरल पुलिस ने आज रिटायर हुए छह पुलिसवालों के सम्मान में एक खास विदाई समारोह रखा। इस समारोह में जालंधर रूरल के सीनियर सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस, पीपीएस, एस. हरविंदर सिंह विर्क, एसपी (लोकल), मुकेश कुमार, एसपी (इन्वेस्टिगेशन) विनीत अहलावत और डीएसपी (लोकल) कुलदीप सिंह शामिल हुए। समारोह के दौरान, रिटायर हुए पुलिसवालों को डिपार्टमेंट के लिए उनकी लंबी, समर्पित और सराहनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने उनके अहम योगदान की तारीफ की और उन्हें स्वस्थ, खुशहाल और पूरी रिटायरमेंट लाइफ की शुभकामनाएं दीं। रिटायर होने वाले पुलिसवालों में सब-इंस्पेक्टर काबल सिंह, ASI जीवन कुमार, ASI गुरजीत सिंह, ASI कमलजीत, ASI अमरीक लाल और ASI तीरथ राम शामिल थे। इस मौके पर जालंधर रूरल के सीनियर सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस, पीपीएस, एस.

हरविंदर सिंह विर्क ने कहा कि जिन पुलिसवालों ने अपनी पूरी ज़िंदगी जनता की सेवा करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में लगा दी, उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि उनकी कड़ी मेहनत, ईमानदारी और ड्यूटी के प्रति लगन आने वाली पीढ़ियों के पुलिस अधिकारियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगी। इस मौके पर, जालंधर रूरल पुलिस ने पर्यावरण बचाने और हरियाली को बढ़ावा देने के मकसद से 'एक पखवाड़ा महकमे दे नाम' नाम का एक नया कैंपेन भी शुरू किया। इस कैंपेन के तहत, हर रिटायर्ड पुलिसवाले को एक पौधा दिया गया और पर्यावरण बचाने में योगदान देने के लिए मोटिवेट किया गया। रिटायर्ड कर्मचारियों को उनकी शानदार सेवाओं के लिए सम्मान और तारीफ़ के तौर पर मोमेंटो भी दिए गए। उनके अच्छे स्वास्थ्य, खुशी और शांतिपूर्ण रिटायरमेंट की दिल से दुआओं के साथ फंक्शन खत्म हुआ।

नेताओं को राजनीतिक मजाक को बर्दाश्त करना चाहिए, व्यंग्यात्मक आलोचना का मतलब हमेशा नहीं होता मानहानि

नई दिल्ली। व्यक्तिगत अधिकारों पर सुरक्षा का हवाला देते हुए भाजपा सांसद राघव चड्ढा की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए टिप्पणी की कि नेताओं को राजनीतिक मजाक को बर्दाश्त करना चाहिए और व्यंग्यात्मक आलोचना का मतलब हमेशा मानहानि नहीं होता है। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने कहा कि राजनीतिक पार्टियों के गठबंधन, कामकाज या नीतियों में बदलाव को लेकर मजाक राजनीति का एक अहम हिस्सा है। पीठ ने कहा कि किसी भी पार्टी के नेता के किसी भी काम पर जनता या विरोधी पार्टियों के सदस्यों की तरफ से आलोचना हो सकती है, और कभी-कभी यह आलोचना व्यंग्यात्मक मजाक के रूप में भी सामने आ सकती है।

बेंगलुरु के डेकेयर में मासूमों के साथ हैवानियत

● वॉशिंग मशीन में डाला, मुंह पर जेट स्प्रे मारा और बाथरूम में किया लॉक...

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बेंगलुरु। बेंगलुरु से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यहां मशहूर IT कंपनी केपजेमिनी के HAL कैंपस में बने डेकेयर सेंटर में छोटे बच्चों के साथ मारपीट का वीडियो वायरल हो रहा है। इन वीडियो के आधार पर पांच महिला केयरगिवर्स के खिलाफ स्न्ढ्ढक्र दर्ज की गई है। फिलहाल पुलिस बच्चों के साथ हुए दुर्व्यवहार की जांच कर रही है। यह शिकायत सेंटर के अंदर रिकॉर्ड किए गए वीडियो के आधार पर की गई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, फुटेज में बच्चे रोते हुए और केयरगिवर्स द्वारा उनके साथ मारपीट और उन्हें डराते-धमकाते हुए दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने बताया कि वीडियो में नैनी दो से तीन साल के बच्चों को धमकाती हुई दिख रही हैं। शिकायत के मुताबिक, केयरगिवर्स ने कथित तौर पर बच्चों को फ्रंट-लोडिंग वॉशिंग मशीन के अंदर डाला, बच्चों को टॉयलेट पर बैठाया, टॉयलेट जेट स्प्रे से उनके मुंह में पानी की बौछार की, उन्हें बाथरूम में बंद कर दिया और चुप रहने के लिए धमकाया। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के लिए नैनी को जल्द बुलाया जाएगा। पुलिस ने बताया कि ये घटनाएं एक चाइल्डकेयर सेंटर में हुई, जहां IT कंपनी के

कर्मचारी काम के दौरान अपने छोटे बच्चों को छोड़ते हैं। मामला तब सामने आया जब दुर्व्यवहार का वीडियो WhatsApp पर वायरल हुआ और चाइल्ड हेल्पलाइन को इसकी सूचना दी गई, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की। शिकायत के आधार पर, पुलिस ने जुवेनाइल जस्टिस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत पांच महिलाओं के खिलाफ केस दर्ज किया है।

'गुरु गोविंद सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार' के लिए 30 सितंबर तक करें आवेदन

भदोही। वर्ष 2026-27 के लिए 'गुरु गोविंद सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार' हेतु पात्र व्यक्तियों से आवेदन मांगे गए हैं। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने बताया कि इच्छुक एवं निर्धारित अर्हताएं पूरी करने वाले व्यक्ति 30 सितंबर 2026 तक अपने आवेदन आवश्यक अभिलेखों के साथ चार प्रतियों में जिला सूचना कार्यालय में जमा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि पुरस्कार के लिए भारत का मूल नागरिक होना, उत्तर प्रदेश में निवास करना तथा मानवाधिकार, सामाजिक न्याय एवं राष्ट्रीय एकीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान होना आवश्यक है। साथ ही आवेदक को पूर्व में यह पुरस्कार प्राप्त न हुआ हो और उसके विरुद्ध कोई आपराधिक मामला लंबित या न्यायालय से दंडित होने का रिकॉर्ड न हो।

मिशन क्लीन पंजाब': म्युनिसिपल कमिश्नर अलंकार ने सफाई के जारी किए आदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- लोकल गवर्नमेंट मिनिस्टर हरजोत सिंह बैंस की लीडरशिप में 'मिशन क्लीन पंजाब' के तहत आगे बढ़ते हुए, म्युनिसिपल कमिश्नर ओजस्वी अलंकार ने मंगलवार को फील्ड इंस्पेक्शन जारी रखा और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के जोन C के तहत आने वाले अलग-अलग इलाकों का इंस्पेक्शन किया। सफाई पक्का करने के अलावा, रोड नेट की सफाई और सड़कों के किनारे से मलबा हटाने पर ज़ोर दिया गया। ढोलेवाल चौक, प्रभात नगर, विश्वकर्मा कॉलोनी, विश्वकर्मा चौक के आस-पास के इलाकों वगैरह में इंस्पेक्शन किया गया। इंस्पेक्शन के दौरान, एक इलाके में पानी की सप्लाई लाइन बिछाने के चल रहे प्रोजेक्ट का भी इंस्पेक्शन किया गया। इंस्पेक्शन के दौरान जोनल कमिश्नर गुरपाल सिंह, हेल्थ ऑफिसर डॉ. विपल मल्होत्रा, CSI राजिंदर कुमार, CSI गुरिंदर सिंह और दूसरे ऑफिसर मौजूद थे। म्युनिसिपल कमिश्नर ओजस्वी अलंकार ने कहा कि मानसून सीजन को ध्यान में रखते हुए सभी तैयारियां पहले से की जा रही हैं। संबंधित अधिकारियों को सीवर लाइन और रोड नेट की सफाई पक्का करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा, उन्हें यह भी निर्देश दिया गया है कि मानसून के मौसम में कोई भी मैनहोल खुला रहे। संबंधित अधिकारियों को इस बारे में सर्टिफिकेट जमा करने के निर्देश दिए गए हैं।

म्युनिसिपल कमिश्नर ओजस्वी अलंकार ने कहा कि म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की सभी ब्रांच सफाई पक्का करने के लिए मिलकर काम कर रही हैं, लेकिन लोगों को भी अधिकारियों का साथ देना चाहिए और खुले में कचरा फेंकना बंद करना चाहिए। यह सबकी ज़िम्मेदारी है और पूरे शहर में सफाई पक्का करने के लिए सभी को आगे आना चाहिए।